मार्गशीर्ष शुक्ल - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 150 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 25-12-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 धर्म पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि नैतिकता, नैतिक मूल्यों और कर्तव्य का समन्वित रूप : योगी आदित्यनाथ

6 वाजपेयी के अधूरे सपनों को पूरा कर रहे है मोदी

7 श्रीमद रामायण में 'राजा दशरथ' की भूमिका निभाकर बेहद खुश हैं आरव चौधरी

फर्स्ट टेक

राष्ट्रपति मुर्मू ने देशवासियों को क्रिसमस की बधाई दी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को देशवासियों को क्रिसमस की बधाई दी और आशा व्यक्त की कि हर कोई दया और करुणा की भावना को फिर से जागृत करेगा। उन्होंने कहा कि क्रिसमस का त्योहार प्रेम और करुणा का संदेश देता है। मुर्मू ने कहा, यह त्योहार हमें मानवता की निस्वार्थ सेवा के लिए भी प्रेरित करता है। समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए ईसा मसीह की शिक्षाएं सदैव प्रासंगिक हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि इस त्योहार पर आइए दया और करुणा की भावना को फिर से जागृत करें और अपने जीवन में यीशु मसीह की शिक्षाओं का पालन करें। मुर्मू ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा, क्रिसमस के शुभ अवसर पर, मैं समस्त देशवासियों, विशेषकर ईसाई भाइयों और बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।

ब्रिटेन के गृह मंत्री 'डेट रेप' मजाक के लिए आलोचनाओं के घेरे में

लंदन/एपी। ब्रिटेन के गृह मंत्री जेम्स क्लेवरली की अपनी पत्नी को 'डेट रेप' नशीला पदार्थ पिलाने को लेकर किए गए मजाक के लिए चौतरफा आलोचना हो रही है और उनसे इस्तीफे की मांग की जा रही है। 'डेट रेप' एक नशीला पेय पदार्थ है जिसे पीने के बाद व्यक्ति होश में नहीं रहता है और उसे यह पता नहीं रहता है कि दवा के नशे में उसके साथ क्या हुआ है। क्लेवरली का यह बयान तब सामने आया है जब सरकार ने इस नशीले पदार्थ पर कार्रवाई करने की तैयारी कर ली है जिसे क्लेवरली ने 'घिनौना' अपराध बताया था।
प्रधानमंत्री के घर पर एक कार्यक्रम में अपनी पत्नी को नशीला पदार्थ देने को लेकर किए गए मजाक के बाद क्लेवरली से इस्तीफा देने की मांग की गयी है।

फ्रांस में रोके गए विमान के 303 यात्रियों को जाने की अनुमति मिली

पेरिस/भाषा। फ्रांसीसी अधिकारियों ने 'मानव तस्करी' के संदेह में पेरिस के पास एक हवाई अड्डे पर तीन दिन से रोका गया विमान सोमवार को उड़ान भर सकेगा। विमान में 303 यात्री सवार हैं जिनमें अधिकतर भारतीय हैं। रविवार को स्थानीय मीडिया ने यह खबर दी। फ्रांसीसी समाचार प्रसारण टेलीविजन और रेडियो नेटवर्क 'बीएफएम टीवी' ने बताया कि विमान को जाने की अनुमति देने के बाद फ्रांसीसी न्यायाधीशों ने प्रक्रिया में अनियमितताओं के कारण 300 से अधिक यात्रियों को रोके जाने के मामले की सुनवाई रोक दी।

एक लाख से अधिक लोगों ने किया गीता का पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में रविवार को भगवद गीता के पाठ को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच जुबानी छिड़ गई।

भाजपा ने जहां हिंदू एकता का आह्वान किया। वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने इस कार्यक्रम का कथित राजनीतिकरण करने पर उसकी अलोचना की।

यहां ब्रिगेड परेड मैदान में अलग-अलग पृष्ठभूमि के करीब एक लाख लोगों ने सामूहिक रूप से भगवद गीता का पाठ किया। विभिन्न उम्र और सामाजिक वर्ग के प्रतिभागियों ने संतों के साथ श्लोकों का पाठ किया। इस कार्यक्रम में बंगाल की भाजपा इकाई और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कई बड़े नेताओं ने भाग लिया। आयोजकों ने दावा किया कि कार्यक्रम के लिए लगभग 1,20,000 लोगों ने पंजीकरण कराया था।

दावा किया गया कि यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, इसके बाजवूद कार्यक्रम को लेकर राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल और विपक्षी भाजपा के बीच जुबानी जंग छिड़ गई।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, ''भगवद गीता दुनिया के लिए भारत का सबसे बड़ा उपहार है। जो लोग इस कार्यक्रम का मजाक बना रहे हैं, उनके मन में हिंदू धर्म और उसकी परंपराओं के प्रति कोई सम्मान नहीं है। जो लोग हिंदुओं को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं वे अपने प्रयासों में विफल होंगे।''

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा, ''इस कार्यक्रम के बाद राज्य के हिंदू, विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ आवाज उठाएंगे और एकजुट होंगे।'' उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ भगवद गीता के पाठ का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि हिंदुओं को एकजुट करने का भी एक प्रयास है। हमारे बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश की जा रही है, हिंदुओं को एकजुट होना होगा।''

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, ''हम गीता पाठ कार्यक्रम के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन भाजपा नेताओं को इसे अपने राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। भाजपा को धर्म को राजनीति के साथ जोड़ने की आदत है।''

उत्तर बंगाल विकास मंत्री एवं तृणमूल नेता उदयन गुहा ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वे ''गीता पाठ कार्यक्रम के बजाय एक फुटबॉल मैच का आयोजन कर सकते थे।''

खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती संघ को किया निलंबित

अध्यक्ष संजय सिंह के सभी फैसलों पर रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। खेल मंत्रालय ने रविवार को भारतीय कुश्ती संघ को निलंबित करते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय सिंह के सभी फैसलों को रोक लगा दी है।

खेल मंत्रालय ने यहां जारी बयान में कहा कि कुश्ती संघ के नवनिर्वाचित के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने 21 दिसंबर को जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं इस साल के अंत से पहले शुरू कराये जाने की जो घोषणा की थी वह फैसला नियमों के विरुध है। उन्होंने कहा कि इस तरह निर्णय के लिए कम से कम 15 दिन पहले पहलवानों को इसकी जानकारी देनी होती है ताकि वे अपनी तैयारी कर सके। उन्होंने कहा कि इस तरह के निर्णय कार्यकारी समिति द्वारा लिए जाते हैं। समिति के समक्ष प्रस्ताव विचार के लिए रखा जाना आवश्यक होता है। भारतीय कुश्ती संघ के संविधान के अनुच्छेद ग्यारह के अनुसार, बैठक के लिए 15 दिन पहले नोटिस देना अनिवार्य होता है। यहां तक कि आपातकालीन बैठक के लिए भी कम से कम सात दिन पहले नोटिस देना होता है। मंत्रालय ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि नवनिर्वाचित निकाय खेल संहिता की पूरी तरह अनदेखी करते हुए पूर्व पदाधिकारियों के नियंत्रण में है। उन्होंने कहा, फेडरेशन का कामकाज पूर्व पदाधिकारियों द्वारा नियंत्रित परिसर से चलाया जा रहा है।

तदर्थ समिति देखेगी कामकाज : खेल मंत्रालय

नई दिल्ली/वार्ता। खेल मंत्रालय ने रविवार को निलंबित किये गये भारतीय कुश्ती संघ के कामकाज के लिए भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) को तदर्थ समिति बनाने को कहा है। सूत्रों के अनुसार मंत्रालय ने भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) को भारतीय कुश्ती संघ को लेकर तदर्थ समिति 48 घंटे में बनाने को कहा है। इस कमेटी का काम खेल में पारदर्शिता के लिए डब्ल्युएफआई की हर दिन की गतिविधियों पर नजर रखना और अपनी रिपोर्ट आईओए को सौंपना होगा।

'आईएनएस इंफाल' आज नौसेना में शामिल किया जाएगा

नई दिल्ली/भाषा। सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस स्वदेश निर्मित स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक 'आईएनएस इंफाल' को मंगलवार को औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा, जिससे हिंद महासागर में चीन की बढ़ती गतिविधियों के बीच भारत की समुद्री क्षमता मजबूत होगी। यह पहला युद्धपोत है जिसका नाम पूर्वोत्तर क्षेत्र के किसी शहर के नाम पर रखा गया है। राष्ट्रपति ने अप्रैल 2019 में इसकी मंजूरी दी थी। अधिकारियों ने कहा कि युद्धपोत को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में मुंबई स्थित नौसेना की गोदी (डॉकयार्ड) में आयोजित एक समारोह में शस्त्र बल में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युद्धपोत का नाम मणिपुर की राजधानी के नाम पर रखा जाना राष्ट्रीय सुरक्षा और समृद्धि के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करता है। इस पोत का वजन 7,400 टन और कुल लंबाई 164 मीटर है।

देश के विकास के लिए काम करें और योगदान दें छात्र

प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के छात्रों से संवाद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के लगभग हर जिले के करीब 250 वंचित छात्रों से बातचीत की, जो ''वतन को जानो-यूथ एक्सचेंज'' कार्यक्रम के तहत देश का दौरा कर रहे हैं।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री के आवास पर आयोजित यह संवाद कार्यक्रम अनौपचारिक था। ये छात्र केंद्र सरकार के कार्यक्रम के तहत जयपुर, अजमेर और नई दिल्ली का दौरा कर रहे हैं।

बयान में कहा गया है कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना में इस यात्रा का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के युवाओं को देश की सांस्कृतिक और सामाजिक विविधता से रूबरू कराना है। प्रधानमंत्री ने छात्रों से उनके यात्रा अनुभव और उनके द्वारा देखे गए चर्चित स्थानों के बारे में पूछा तथा उनके साथ जम्मू-कश्मीर की समृद्ध खेल संस्कृति पर चर्चा की। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने छात्रों से खेलों में उनकी भागीदारी के बारे में जानना चाहा और जम्मू-कश्मीर की युवा तीरंदाज शीतल देवी का उदाहरण दिया, जिन्होंने हांगझू में एशियाई पैरा खेलों में तीन पदक जीते थे।

मोदी ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं की प्रतिभा की भी सराहना की और कहा कि उनमें किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने की क्षमता है। बयान में कहा गया है कि उन्होंने छात्रों को देश के विकास के लिए काम करने और योगदान देने तथा 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में मदद करने की सलाह दी।

नागरिकों और पर्यटन उद्योग को

कोविड-19 की नई लहर से घबराने की जरूरत नहीं : नाईक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। केंद्रीय पर्यटन राज्यमंत्री शीपाद नाईक ने रविवार को कहा कि नागरिकों और पर्यटन उद्योग को कोविड-19 की नई लहर को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं है क्योंकि देश पहले इस बीमारी का मुकाबला कर चुका है।

वह दक्षिण गोवा में साप्ताहिक पत्रिका 'पांचजन्य' द्वारा आयोजित 'सागर मंथन 2.0' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नाईक से जब पूछा गया कि क्या देश में महामारी फैलने पर फिर लॉकडाउन लगया जा सकता है तो उन्होंने कहा, '' घबराने की जरूरत नहीं है। यदि वह फिर आती है तो भी हम उसका मुकाबला कर सकते हैं। हमने पहले भी उसका मुकाबला किया है।''

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी किये गये अद्यतन आंकड़े के अनुसार देश में कोविड-19 के 656 नये मामले सामने आये हैं और उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3742 हो गयी है।

भारत में 21 दिसंबर तक कोविड के जेएन.1 उपस्वरूप से संक्रमण के 22 मामले सामने आ चुके हैं जिनमें 21 मामले अकेले गोवा से आए हैं जबकि एक मामला केरल का है।

140 करोड़ लोगों को आत्मनिर्भर बनाना प्रधानमंत्री मोदी का लक्ष्य : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में गरीबों सहित 140 करोड़ लोगों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं और उन्होंने इसके लिए समर्पण के साथ काम किया है।

शाह यहां 'पीएम स्वनिधि' योजना के लाभार्थियों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। यह योजना रेहड़ी-पटरी वालों को आसान ऋण दिलाने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं तथा साथ ही उनका लक्ष्य गरीब लोगों को भी आत्मनिर्भर बनाना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार में गरीब लोगों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है।

प्रधानमंत्री 'स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि' (पीएम-स्वनिधि योजना) के लाभार्थियों को ऋण देने के कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी मौजूद थे।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया है और वह देश को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, रक्षा, सभी प्रकार के व्यवसायों तथा अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी सभी गरीबों सहित 140 करोड़ लोगों को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और विकास के अलावा, प्रधानमंत्री ने 60 करोड़ गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए पूरे समर्पण के साथ काम किया है।

शाह ने कहा, ''पिछले नौ वर्षों में, लगभग तीन करोड़ लोगों को अपना घर मिला, चार करोड़ लोगों को बिजली कनेक्शन मिला, 10 करोड़ लोगों को गैस सिलेंडर मिले, 12 करोड़ लोगों को शौचालय मिले, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिला और 60 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा (योजना) में शामिल किया गया है।''

25-12-2023 सूर्यास्त 5:49 बजे | 26-12-2023 सूर्योदय 6:28 बजे

BSE	NSE
71,106.96 (+241.86)	21,349.40 (+94.35)

सोना	चांदी
6,494 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	80,700 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लिहाज करो

तंत्र के शुभ मंत्र को ना,
फाड़ कर चिन्दा करो।
क्यों मरे को मारते हो,
स्वयं को जिन्दा करो।
सिर्फ वोटों के लिए,
ना आप यूं निंदा करो।
भाषणों में शब्द को,
ऐसे न शर्मिंदा करो।

राष्ट्र का और राष्ट्र के सम्मान का मंदिर है श्रीराम मंदिर : चम्पत राय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/वार्ता। 'अयोध्या उत्सव' में पधारे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय श्रीराम मंदिर निर्माण का वैज्ञानिक आधार समझा गये। उन्होंने इसके निर्माण में रखी जाने वाली एक-एक सावधानियों को बड़ी ही बारीकी से रखा।

चम्पत राय ने रविवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में बताया कि यह राष्ट्र का और राष्ट्र के सम्मान का मंदिर है। यह हर भारतीय के सहयोग का प्रतिफल है। इसके निर्माण में सबकी समान हिस्सेदारी है। इसके निर्माण में बहुत सावधानियां रखी गयीं हैं। मंदिर के बेस की जमीन को मजबूती दी गयी है। इसको आर्टिफिशियल रॉक नाम दिया गया है। मंदिर में 21 लाख क्यूबिक पत्थर लगाए जा रहे हैं। इसके निर्माण शिल्प में इसकी आयु का आकलन किया गया है। बहुत ही कम मात्रा में लोहे का उपयोग हुआ है। लोहा पड़ने से इसकी आयु 100 साल कम हो जाती। इसमें प्लेन कंक्रीट है। कंक्रीट पड़ने से इसकी आयु 150 साल से अधिक नहीं हो सकती। जमीन के ऊपर भी कंक्रीट नहीं है। जमीन के ऊपर यदि एक इंच भी कंक्रीट आ गई तो 150 साल के बाद वह कंक्रीट कमजोर हो जाएगी। जमीन के नीचे लोहे का तार भी नहीं हैं। नीचे थोड़ा बहुत कंक्रीट है भी, तो रोलर कंपैक्टेड है। यह दो-चार फीट नहीं बल्कि 14 मीटर है। आर्टिफिशियल रॉक के अंदर सीमेंट भी नहीं है। जहां उपयोग हुआ है वहां सीमेंट की मात्रा बहुत कम है। कहीं-कहीं 02 से 02.50 प्रतिशत का उपयोग हुआ है। पानी न के बराबर है। रोलर कॉम्पेक्शन डेंसिटी मेजरमेंट 98 प्रतिशत डेंसिटी होने के बाद सेकंड लेयर और थर्ड लेयर है। इस प्रकार 14 मीटर इतनी गहराई तक एक रॉक डाली गई है। इस प्रकार जमीन को मजबूती दी गयी है। वजह, जमीन में मिट्टी नहीं थी बालू थी।

कश्मीर में सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक की गोली मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/वार्ता। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में रविवार तड़के आतंकवादियों ने एक सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों ने पेठ गंठमुल्ला गांव की मस्जिद में अज़ान पढ़ते समय पूर्व अधीक्षक मोहम्मद शफ़ी (72)पर गोलियां चलाई गयी। घायल अवस्था में उन्हें बारामूला में एक चिकित्सा सुविधा में स्थानांतरित ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। संयुक्त टीम ने हमले के लिए जिम्मेदार अपराधियों को पकड़ने के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी है।

पुलिस ने कहा कि शफी वर्ष 2012 में सेवानिवृत्त हो गए थे और गांव में रह रहे थे। यह घटना ऐसे इलाके में हुई जहां आतंकवाद के चरम के दौरान भी कोई हिंसा नहीं देखी गई थी।

राम मंदिर अक्षत यात्रा में शामिल हुए विधायक व पूर्व मंत्री, दिया आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के बिलिशिवाले ग्राम में अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में लोगों को आमंत्रित करने के लिए अयोध्या से भेजे गये पूजित पीले चावल की विशेष शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा सदर बाजार से लेकर आंजनेय मंदिर निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा में कर्नाटक सरकार के पूर्व मंत्री अरविंद लिम्बावली एवं क्षेत्रीय विधायक मंजुला लिम्बावली ने शामिल होकर सिर पर अक्षत कलश धारण किया तथा आंजनैय मंदिर में विशेष पूजा कर सभी को आमंत्रित करते हुए अक्षत वितरित किए।

नाकोड़ा तीर्थ पर पूर्णिमा मेला 26 को

अरसीकेरे/दक्षिण भारत। दक्षिण नाकोडा तीर्थ अरसीकेरे में 26 दिसम्बर को 100वां पूर्णिमा मेले का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 2025 में तीर्थ प्रतिष्ठा के लक्ष्य के साथ आयोजित इस मेले की तैयारियां जोरों पर चल रही है।

इस मेले में भैरवदेव का दिव्य औषधि एवं केसर चंदन द्वारा महामस्तकाभिषेक, सहस्त्राधिक कुसुमार्चन एवं महाहवन का आयोजन होगा। राणीबेन्नुर गौतमचंद संपतराज परिवार इस आयोजन के लाभार्थी होंगे।

जम्मू में एलओसी के पास ड्रोन से गिराए गए हथियार, नकदी जब्त

जम्मू/भाषा। जम्मू के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास रविवार को सेना और पुलिस ने संयुक्त अभियान के दौरान ड्रोन से गिराए गए हथियारों और नकदी के दो पैकेट जब्त किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि विध्वंसक गतिविधियों के लिए संबंधित पैकेट पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराए गए जो सुबह करीब आठ बजे खौर क्षेत्र के चन्नी दीवानो गांव में एक खुले मैदान में पड़े देखे गए। बरामदगी में नौ एमएम की इटली निर्मित एक पिस्तौल, तीन मैगजीन, 30 कारतूस, तीन आईईडी, तीन आईईडी बैटरी, एक हथगोला और 35,000 रुपये नकद शामिल हैं। यह बरामदगी सेना के जवानों द्वारा अखनूर सेक्टर में एक आतंकवादी को मार गिराए जाने के एक दिन बाद हुई है।

म्यूचुअल फंड उद्योग पटरी पर लौटा, संपत्ति आधार नौ लाख करोड़ रुपये बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। म्यूचुअल फंड उद्योग ने पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन से उबरते हुए इस साल जोरदार वापसी की है और इसके परिसंपत्ति आधार में नौ लाख करोड़ रुपये की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि एक उत्साही शेयर बाजार, स्थिर ब्याज दरों और मजबूत आर्थिक विस्तार से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक गति अगले वर्ष भी जारी रहनी चाहिए।

म्यूचुअल फंड निकाय एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, पर्याप्त वृद्धि के साथ इस वर्ष कुल निवेश 3.15 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, साथ ही निवेशकों की संख्या में दो करोड़ से अधिक की वृद्धि हुई है। इसे व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) की बढ़ती लोकप्रियता से समर्थन मिला, जिसमें 1.66 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ।

एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से पता चलता है कि इस प्रवाह ने 2023 में म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधन-अधीन संपत्ति (एयूएम) को 23 प्रतिशत यानी नौ लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया है।

यह 2022 के दौरान एयूएम में देखी गई सात प्रतिशत वृद्धि और 2.65 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ-साथ 2021 में परिसंपत्ति आधार में लगभग 22 प्रतिशत वृद्धि और लगभग सात लाख करोड़ रुपये की वृद्धि से कहीं अधिक थी।

इश तरह पिछले तीन साल में उद्योग ने सामूहिक रूप से अपने एयूएम में 18 लाख करोड़ रुपये जोड़े हैं।

आंकड़ों के अनुसार, म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम दिसंबर, 2022 के अंत में 40 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2023 में नवंबर के अंत तक 49 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

दिसंबर, 2021 के अंत में परिसंपत्ति आधार 37.72 लाख करोड़ रुपये और दिसंबर 2020 में 31 लाख करोड़ रुपये था।

उद्योग के एयूएम में लगातार 11वीं वार्षिक वृद्धि हुई है। इस साल वृद्धि को इक्विटी योजनाओं में प्रवाह, खासकर एसआईपी के माध्यम से समर्थन मिला है।

आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी ए बालसुब्रमण्यन ने कहा कि सकारात्मक रुझान 2024 में भी जारी रहेगा और परिसंपत्ति आधार में भारी वृद्धि के लिए बढ़ते इक्विटी बाजारों, स्थिर ब्याज दरों और बढ़ती आर्थिक वृद्धि को श्रेय जाता है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया (शोध प्रबंधक) निदेशक कौस्तुभ बेलापुरकर ने कहा, निवेशक लंबी अवधि के लिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना जारी रखते हैं और नए निवेशक भी म्यूचुअल फंड में तेजी से निवेश कर रहे हैं, जैसा कि साल भर में नए फोलियो में अच्छी वृद्धि से देखा जा सकता है।

इस साल सेंसेक्स ने 19 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, बीएसई मिडकैप ने 45 प्रतिशत और बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक ने 47 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

'जीतो' मैसूरु के स्नेह मिलन में रही लोकगीतों की बहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के जीतो चैप्टर का स्नेह मिलन समारोह रविवार को अग्रहार स्थित तेरापंथ भवन में रखा गया जिसमें बेंगलूरु के केकेजी जोन व जीतो के पदाधिकारी अतिथियों के रुप में शामिल हुए।

सभी अतिथियों ने मैसूरु चैप्टर के कार्यों की सराहना की। समारोह में राजस्थान से आई महिला भजन गायक संतोष चौहान एवं नंदकिशोर, पंकज,करण ने राजस्थानी लोकगीतों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर जीतो केकेजी जोन के अध्यक्ष अशोक सालेचा,उपाध्यक्ष प्रवीण बाफ़णा, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, मुख्य सचिव दिलीप जैन, मैसूरु जीतो चैप्टर के चेयरमैन कांतिलाल चौहान, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, उपाध्यक्ष महेन्द्र कटारिया, सचिव प्रेम पालरेचा, अभिषेक दरला,कोषाध्यक्ष विनोद बाकलीवाल, प्रचार-प्रसार प्रभारी रमेश नौलखा, सहकोषाध्यक्ष नेमीचंद श्रीश्रीमाल, महिला विंग की उपाध्यक्ष मोना भटेवरा, सहसचिव सपना गांधी, कोषाध्यक्ष सरिता बाघमार, यूथ विंग अध्यक्ष पुनीत श्रीश्रीमाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य गण उपस्थित थे।

केरल:नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई पर मुख्यमंत्री को 'कायर' कहा

कोच्चि/भाषा। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन ने एक दिन पहले कथित तौर पर कांग्रेस के नेताओं पर पानी की बौछार करने और आंसू गैस छोड़ने को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर निशाना साधते हुए उन्हें कायर और अहंकारी करार दिया।

केरल पुलिस ने तिरुवनंतपुरम में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय की तरफ अग्रसर पार्टी के मार्च के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में कांग्रेस प्रमुख के. सुधाकरन, सतीशन और सांसद शशि थरूर समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ शनिवार को एक मामला दर्ज किया था।

प्रदर्शन

सरना आदिवासियों ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ मोरहाबादी मैदान में आरक्षण श्रेणी से धर्मांतरित आदिवासी ईसाइयों के नाम हटाने और सूची से हटाने की मांग को लेकर एक विरोध रैली के दौरान कुल्हाड़ी, तलवार, धनुष और तीर सहित पारंपरिक हथियार के साथ प्रदर्शन किया।

बिठुडा पीरान में निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में लाभान्वित हुए 460 लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली/बेंगलूरु। शनिवार को बिठुडा पीरान गांव के कोठारी राजकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र में निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जिसमें प्रोजेक्ट दृष्टि बेंगलूरु के डॉ नरपत सोलंकी की टीम ने चिकित्सीय सेवाएं दी तथा 460 मरीजों की जांच की। इस मौके पर चयनीत 55 मरीजों को आपरेशन के लिए रानी लॉयन्स आई अस्पताल ले जाया गया। इस मौके पर अतिथि के रूप में उपस्थित सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत ने कहा कि दिशावर में निवासरत प्रवासी एक एक रूपया जोड़कर सेवा का कार्य करते रहते है, यह उनका समाज के प्रति जज्बा है।

वे मातृभूमि के प्रति संवेदनशील है। समारोह में अनोपपुरा सरपंच व पीरोसा गोपालसिंह ने कहा कि गांव के प्रति विकास में प्रवासियों का सराहनीय योगदान है। इस मौके पर जरूरतमंदों को दवाईयों व चश्में निःशुल्क वितरण किए।

शिविर में शांतिबाई जुहारमल कोठारी, लीलाबाई लक्ष्मीचंद सेमलानी, कमलाबाई लालचंद धनरेसा, कन्याबाई बस्तीमल धनेसा एवं फैंसीबाई वालचंद पगारिया परिवार का सहयोग रहा। इस मौके पर अश्विन सेमलानी, रमेश कोठारी, मुकेश पगारिया, महेन्द्र धनरेशा, ललित धनेशामेहता, विनोद कोठारी आदि सहयोग रहा।

पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही है कांग्रेस सरकार : रामा राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा राज्य की आर्थिक स्थिति पर जारी श्वेत पत्र त्रुटियों और झूठ से भरा होने का आरोप लगाते हुए विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने रविवार को कहा कि उसके शासनकाल के दौरान लिया गया सकल ऋण केवल 3,17,015 करोड़ रुपये था, न कि सरकार द्वारा बताया गया 6,71,757 करोड़ रुपये।

बीआरएस के 2014 से 2023 तक सत्ता में रहने के दौरान वित्तीय स्थिति और हासिल की गई प्रगति पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति देने वाले कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने आरोप लगाया कि श्वेत पत्र आंकड़ों की बाजीगरी है और इसमें पिछली बीआरएस सरकार के खिलाफ निराधार आरोप शामिल हैं।

उन्होंने कहा, बीआरएस ने कांग्रेस सरकार के खोखलेपन और राजनीतिक दिवालियापन को उजागर करने के लिए 'स्वेद पत्रम' (कड़ी मेहनत दिखाने वाला दस्तावेज) नाम से प्रस्तुति देने का फैसला किया।

राज्य सरकार ने 20 दिसंबर को कहा था कि वित्त वर्ष 24 के अंत तक तेलंगाना पर 6,71,757 करोड़ रुपये का बकाया कर्ज होगा, जिसमें निगमों या संस्थानों के गैर-गारंटी वाले ऋण भी शामिल हैं, जबकि 2014-15 में यह 72,658 करोड़ रुपये था।

राव ने कहा, राज्य सरकार ने अपने श्वेत पत्र में कहा कि एफआरबीएम (राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन) की सीमा के भीतर कर्ज 3,89,673 करोड़ रुपये था। राव ने कहा, हालांकि, 3,89,673 करोड़ रुपये में से 72,658 करोड़ रुपये 2014 में बीआरएस के सत्ता संभालने से पहले कांग्रेस सरकार का पुराना ऋण था। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार का कहना है कि हमने राज्य को कर्ज में धकेल दिया, जो उसके श्वेत पत्र के अनुसार 6,71,757 करोड़ रुपये है। लेकिन हमारा कर्ज सिर्फ 3,17,015 करोड़ रुपये है। बाकी स्व-दृष्टिबंधन के तहत पूंजी निवेश के लिए और कुछ निगमों द्वारा उठाए गए ऋण हैं जिनके पास बहुत बड़ा परिसंपत्ति आधार है और वे अपने दम पर ऋण चुका सकते हैं। राव ने दावा किया कि पिछले दशक में बीआरएस सरकार ने तेलंगाना में 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मूल्य सृजन सुनिश्चित किया था। उन्होंने कहा, पिछली बीआरएस सरकार के काम को बदनाम करने का प्रयास किया गया है। हाल के विधानसभा सत्र में, जब उन्होंने (कांग्रेस सरकार) एक श्वेत पत्र प्रस्तुत किया तो हमें अपने विचार प्रस्तुत करने का उचित मौका नहीं दिया गया।

'इंडिया' गठबंधन के फैसले का पालन करूंगा: फारूक अब्दुल्ला

जम्मू/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए जम्मू कश्मीर में सीट बंटवारे पर 'इंडिया' गठबंधन के फैसले का पालन करेगी।

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने सवाल किया कि सरकार स्थानीय निकाय चुनाव क्यों नहीं करा रही है जब वह दावा कर रही है कि केंद्रशासित प्रदेश में शांति बहाल हो गई है। उन्होंने यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह से इतर एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, हम 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं और इसके फैसले का पालन करेंगे।

उनसे केंद्रशासित प्रदेश में सीट बंटवारे के बारे में पूछा गया था।

नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) जम्मू कश्मीर के उन क्षेत्रीय दलों में से हैं जो विपक्षी गुट का हिस्सा हैं।

अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर के लोगों को उनका संदेश चुनाव के लिए तैयार रहने का है। उन्होंने कहा, हम इस साल पंचायत, डीडीसी (जिला विकास परिषद) और यहां तक कि नगर निकाय चुनावों के लिए तैयार थे। नोटिस जारी किया गया था लेकिन पांच दिन के भीतर वापस ले लिया गया। कोई नहीं जानता कि क्या हुआ और चुनाव में जानबूझकर देरी की गई।'' अब्दुल्ला ने कहा, वे सामान्य स्थिति का दावा कर रहे हैं लेकिन चुनाव नहीं करा सके। अगर करगिल में चुनाव हो सकता है तो जम्मू कश्मीर में क्यों नहीं कराया गया।'' उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ऐसे उद्योग स्थापित करने का समर्थन करती है जिससे लोगों को फायदा हो, नौकरियां पैदा हों और जो पर्यावरण के अनुकूल हों।

अब्दुल्ला ने कहा, हम ऐसे उद्योग नहीं चाहते जो प्रदूषण फैलाएं हम प्रगति चाहते हैं और यह भी चाहते हैं कि जम्मू कश्मीर आगे बढ़े। हमारे बच्चे बेरोजगार हैं।

ज्यादती होगी तो पहलवानों के पक्ष में अग्रणी भूमिका निभाएंगे : खाप पंचायत

भिवानी/भाषा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की नवनिर्वाचित संस्था को खेल मंत्रालय द्वारा निलंबित किये जाने के बाद यहां फोगाट खाप पंचायत ने पहलवानों को न्याय दिलाने के लिए एक बैठक की और कहा कि अगर खिलाड़ियों के साथ ज्यादती हुई तो खाप उनके पक्ष में अग्रणी भूमिका निभायेगी।

कुश्ती को लेकर मचे घमासान के बीच फोगाट खाप भी मैदान में उतरने को तैयार है। साथ ही फोगाट खाप ने सरकार से खेल महासंघ के अध्यक्ष पद पर न सिर्फ खिलाड़ी की नियुक्ति करने बल्कि महिला खिलाड़ियों की कोच महिला ही नियुक्त करने की मांग की।

रविवार को चरखी दादरी के स्वामी दयाल धाम पर फोगाट खाप की कार्यकारिणी बैठक प्रधान बलवंत नंबरदार की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनावों के बाद बने हालातों के साथ-साथ साक्षी मलिक द्वारा संन्याय लेने और ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया द्वारा पद्मश्री लौटाने के बारे मंथन किया गया।

खाप पदाधिकारियों ने पहलवानों द्वारा किये गये फैसलों को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उन्हें अपने फैसले पर विचार करने के लिए कहा।

खाप पदाधिकारियों ने कहा, ''खिलाड़ी राजनीति की भेंट चढ़ रहे हैं, जहां साक्षी मलिक को खून के आंसू रोने पर मजबूर होना पड़ा, वहीं न्याय की उम्मीद छोड़ चुके बजरंग पूनिया को पदमश्री वापस लौटाना पड़ा। खाप हरियाणा के खिलाड़ियों के सम्मान व न्याय दिलाने के लिए पहले भी साथ थी और आगे भी अग्रणी भूमिका निभाएगी। ''

खाप प्रधान बलवंत नंबरदार ने कहा, ''डब्ल्यूएफआई निलंबित होने पर खिलाड़ियों को भविष्य बनाने की उम्मीद दिखी है।

आंध्र प्रदेश : राज्य में गठबंधन करने या न करने को लेकर पसोपेश में भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। पिछले लोकसभा चुनाव में आंध्र प्रदेश में एक प्रतिशत से भी कम वोट पाने वाली भाजपा 2024 के आम चुनाव से पहले राज्य में खुद को काफी अच्छी स्थिति में पा रही है क्योंकि राज्य के दोनों मुख्य क्षेत्रीय दल (तेदेपा और वाईएसआर कांग्रेस) भाजपा को अपने पक्ष में रखने के लिए एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ऐसे में भाजपा राज्य में गठबंधन करने या न करने को लेकर पसोपेश में है।

दोनों क्षेत्रीय दलों के सूत्रों ने कहा कि एन. चंद्रबाबू नायडू की अगुवाई वाली तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) जहां भाजपा के साथ गठबंधन चाहती है, वहीं राज्य की सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस चाहती है कि भाजपा 2019 के चुनाव की तरह आगामी आम चुनाव में भी अकेले उतरे।

आंध्र प्रदेश में मुसलमानों और ईसाइयों के अल्पसंख्यक वोटों को वाईएसआर कांग्रेस के ठोस आधार के रूप में देखे जाने के कारण, इसके नेताओं का मानना है कि भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन उनकी पार्टी के लिए उपयुक्त नहीं होगा। हालांकि, उन्होंने अपने निर्विवाद समर्थन को रेखांकित करने के लिए संसद में नरेन्द्र मोदी सरकार के एजेंडे का समर्थन किया है।

वाईएसआर कांग्रेस के एक नेता ने कहा, ''भाजपा के अपने चुनावी सहयोगियों के साथ मतभेद रहे हैं, लेकिन हमारे साथ कभी नहीं। हमारे नेता (मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी) के भाजपा नेतृत्व के साथ मधुर संबंध हैं और सत्ता में कोई हिस्सेदारी मांगे बिना पूरे दिल से उनका समर्थन किया है।''

दूसरी तरफ, भाजपा अपने विकल्पों पर विचार कर रही है। भाजपा के राज्य स्तरीय नेताओं का एक वर्ग पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली तेदेपा के साथ गठबंधन के लिए उत्सुक है क्योंकि उनका मानना है कि यही एकमात्र तरीका है जिससे वे कुछ सीट जीतने और अपने कार्यकर्ताओं में जोश भरने की उम्मीद कर सकते हैं। आंध्र प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते हैं। अभिनेता पवन कल्याण की 'जन सेना पार्टी' के साथ गठबंधन के बाद तेदेपा को वाईएसआर कांग्रेस के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है। तेदेपा ने वाईएसआर कांग्रेस पर उसे कमजोर करने के लिए भ्रष्टाचार के मामले में नायडू की गिरफ्तारी सहित अन्य तरीकों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

इसके नेताओं का मानना है कि भाजपा के साथ गठबंधन फायदेमंद साबित हो सकता है क्योंकि राष्ट्रीय पार्टी को केंद्र में सत्ता बरकरार रखने के लिए पसंदीदा माना जा रहा है।

पटना में रविवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 12वें दीक्षांत समारोह के दौरान एनआईटी परिसर के बाहर जश्न मनाते छात्र।

चिक्कमगलुरु में दत्त जयंती के हिस्से के रूप में लोगों ने रविवार को कड़ी पुलिस सुरक्षा के साथ संकीर्तन यात्रा निकाली।

दत्ता जयंती समारोह की शुरुआत; सीटी रवि, शोभा करंदलाजे रहे मौजूद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिक्कमगलूर। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय दत्ता जयंती समारोह की शुरुआत की गई जिसमें यात्रा निकाली गई। उत्सव बोलारामेश्वर मंदिर में शुरू हुआ, जहां जिले भर से महिलाएं एक भव्य जुलूस के लिए एकत्र हुईं। बोलारामेश्वर मंदिर से पॉलिटेक्निक कॉलेज सर्कल तक प्रतिभागियों के नेतृत्व में निकाले गए जुलूस में महिलाएं भगध्वज और शॉल में सजी हुई पूज्य भगवान दत्तात्रेय की तस्वीर लिए हुए थीं। उत्साहपूर्वक दत्तात्रेय भजन, कीर्तन और दत्तात्रेय स्वामी के पवित्र नाम का जाप करते हुए, महिलाओं ने रंगारंग मार्च के दौरान अपनी भक्ति व्यक्त की।

पूर्व विधायक सीटी रवि, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे और कई अन्य लोग जुलूस में शामिल हुए, जिससे जश्न का माहौल और बढ़ गया। आयोजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, पुलिस विभाग ने जिले भर में कड़ी निगरानी रखी और संवेदनशील और अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कर्मियों को तैनात किया

सुरक्षा उपायों के हिस्से के रूप में, 28 चेक पोस्ट स्थापित किए गए, जो वहां से गुजरने वाले हर वाहन की जांच कर रहे थे। समारोह की सुचारू प्रगति सुनिश्चित करने के लिए पुलिस की उपस्थिति के साथ दत्तपीठ के मार्गों की भी रणनीतिक योजना बनाई गई थी

पेरियार को मुख्यमंत्री स्टालिन ने दी श्रद्धांजलि

चेन्नई। तमिलनाडु में द्रविड़ कषगम (डीके) के संस्थापक 'पेरियार' ई वी रामासामी की रविवार को 50वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। 'आत्म सम्मान' आंदोलन के जनक माने जाने वाले और तर्कशास्त्री पेरियार का जन्म 17 सितंबर 1889 को हुआ और उन्होंने सामाजिक समता के लिए संघर्ष किया। उनका निधन 24 दिसंबर, 1973 को हुआ। मई 2021 में सत्ता संभालते ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) ने घोषणा की कि पेरियार की जयंती हर साल तमिलनाडु में 'सामाजिक न्याय दिवस' के रूप में मनाई जाएगी।

राज्य की प्रगति में पेरियार के 'आत्म सम्मान' आन्दोलन की प्रमुख भूमिका थी। इस आंदोलन ने वंचित जातियों के लोगों को अपने हक के लिए खड़े होने के लिए प्रेरित किया जिसने दमनकारी सामाजिक व्यवस्था को काफी हद तक बदल दिया। कांग्रेस पार्टी ने भी इस अवसर पर पेरियार को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस पार्टी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हम द्रविड़ आंदोलन के जनक 'पेरियार' ई वी रामासामी को उनकी पुण्य तिथि पर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

एमजीआर को श्रद्धांजलि अर्पित की

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के संस्थापक और तमिलनाडु के दिवंगत मुख्यमंत्री एम जी रामचंद्रन को रविवार को उनकी 36 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गयी। पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में विपक्ष के नेता ई.के. पलानीस्वामी तथा पार्टी के कई नेताओं ने रविवार को यहां मरीना बीच (समुद्र तट) पर रामचंद्रन के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर संकल्प लिया। अभिनेता से नेता बने रामचंद्रन ने 1972 में द्रमुक से अलग होकर अन्नाद्रमुक बनायी थी तथा 1977 में वह सत्तासीन हुए थे। वह 24 दिसंबर, 1987 को अपने देहांत तक लगातार दो कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री पद पर आसीन रहे। अभिनेता से नेता बने कमल हासन ने अपने संदेश में कहा, हम कला और राजनीति में उनकी (एम जी रामचंद्रन की) उपलब्धियों को याद करें।

संयुक्त किसान मोर्चा 'दिल्ली चलो' के आंदोलन से पहले 15 और किसान महापंचायतों का आयोजन करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। किसान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) ने रविवार को कहा कि उसने सात प्रमुख मांगों के साथ 26 फरवरी को 'दिल्ली चलो' का आह्वान किया है और इसके लिए अगले डेढ़ महीनों में 15 और 'किसान महापंचायतों' का आयोजन किए जाएगा। देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले 15 दिनों में छह किसान महापंचायतें (किसानों का बड़ा सम्मेलन) पहले ही आयोजित की जा चुकी हैं। किसान नेताओं ने मीडिया के साथ संबंधित सूचनाएं साझा करते हुए इस बात पर भी जोर दिया कि देश के लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की रक्षा की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हाल ही में संसद के दोनों सदनों में विपक्षी सदस्यों को निलंबित करना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बृज भूषण सरन को 'सुरक्षा' देने के लिए ओलंपियन पहलवानों के प्रति सरकार का कथित 'दुर्व्यवहार' हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं।

इस दौरान किसान नेता, कर्नाटक के कुरुबुरु शांताकुमार, पंजाब के जगजीत सिंह दल्लेवाल, केरल के केवी बीजू, हरियाणा के अभिमन्यु कोहाड़ एवं लखविंदर सिंह औलख, ओडिशा के सचिन महापात्र, बिहार के अरुण सिन्हा, मध्य प्रदेश के रविदत्त सिंह, महाराष्ट्र के शंकर दारेकर, कर्नाटक के नारायण रेड्डी, बसवराज पाटिल, देवा कुमार उपस्थित रहे।

एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए गए 2 आतंकी संदिग्धों ने अमोनियम नाइट्रेट खरीदा था

बल्लारी। एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए गए दो आतंकी संदिग्धों ने कथित तौर पर शहर की एक उर्वरक दुकान से अमोनियम नाइट्रेट खरीदा था। सूत्रों ने कहा कि आरोपियों मोहम्मद सुलेमान और सैयद समीर ने एनआईए अधिकारियों द्वारा पूछताछ के दौरान 22 अक्टूबर को एक किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट खरीदने की बात स्वीकार की। अमोनियम नाइट्रेट उर्वरक है, जिसका इस्तेमाल विस्फोटक एजेंट के रूप में भी किया जा सकता है। जांचकर्ताओं को संदेह है कि इस पदार्थ का उपयोग प्रायोगिक विस्फोटक बनाने के लिए करने की योजना थी। हालाँकि, उस तारीख का कोई बिल स्टोर में नहीं मिला, और उनकी यात्रा का कोई रिकॉर्ड नहीं है। 18 दिसंबर को, एनआईए अधिकारियों ने बेंगलूरु और बल्लारी में प्रतिबंधित पीएफआई और आईएसआईएस से जुड़े संदिग्धों पर छापेमारी की और सुलेमान और समीर सहित बल्लारी मूल के 4 लोगों को गिरफ्तार किया। मोहम्मद सुलेमान बेंगलूरु में कानून की डिग्री ले रहा था और सैयद समीर बल्लारी में बीसीए का छात्र है। आरोप है कि समीर का लक्ष्य कॉलेज युवाओं को आतंकवादी संगठन की ओर आकर्षित करना था।

हनुमा जयंती

कोप्पल के हनुमा जयंती के तहत रविवार को भक्त अंजनाद्रि बेट्टा पहुंचे।

दयानिधि मारन की महीनों पहले बिहार के श्रमिकों पर की गई टिप्पणी पर भाजपा, द्रमुक में वाकयुद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रमुक के लोकसभा सदस्य दयानिधि मारन द्वारा उत्तर प्रदेश और बिहार के श्रमिकों पर महीनों पहले की गई कथित अपमानजनक टिप्पणी का एक वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित होने के बाद भाजपा और राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के बीच जुबानी जंब छिड़ गई है। मारन ने इस साल मार्च में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा था कि तमिल और अंग्रेजी दोनों के अध्ययन की उनकी पार्टी द्रमुक हमेशा से वकालत करती रही है तथा तमिलनाडु के लोगों ने इसका अनुसरण किया है।

तमिलनाडु के मूल निवासी सुंदर पिचाई का उदाहरण देते हुए मारन ने कहा कि वह अब गूगल के

प्रमुख हैं और अगर उन्होंने हिंदी सीखी होती, तो वह विनिर्माण क्षेत्र में श्रमिक के रूप में काम कर रहे होते। वीडियो में वह यह कहते सुनाई देते हैं कि क्योंकि तमिलनाडु के बच्चे शिक्षित होते हैं तथा अच्छी अंग्रेजी सीखते हैं, इसलिए उन्हें सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में रोजगार और अच्छा वेतन मिलता है। वीडियो क्लिप में, मारन ने कथित तौर पर कहा, उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों में जिन लोगों ने 'केवल हिंदी' सीखी , वे तमिल सीखने के बाद तमिलनाडु में घरों के निर्माण का काम करते हैं, सड़कें और शौचालय साफ करते हैं । अगर हिंदी सीखी जाए तो यही स्थिति होती है। मारन की कथित टिप्पणी वाला वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि द्रमुक सांसद की टिप्पणी बेहद आपत्तिजनक है और इसमें हिंदी भाषी लोगों के लिए अपमानजनक बातें हैं।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस तरह की बातें निश्चित रूप से द्रमुक की आदत बन गई हैं। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक कई नेता ऐसी टिप्पणियां करते हैं और इससे पहले उन्होंने सनातन धर्म पर भी हमला बोला था। पूनावाला ने कहा, लेकिन कांग्रेस पार्टी और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य दल इसलिए कुछ नहीं बोल रहे हैं, क्योंकि शायद वे सभी इसमें एक साथ हैं। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने कहा कि हालाँकि यह एक पुरानी टिप्पणी है, लेकिन यह द्रमुक नेताओं के असली रंग को दर्शाती है जो उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपमानजनक और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

उन्होंने कहा, यह बिलकुल भी आश्चर्य की बात नहीं है। यह अभी, वर्तमान में हो रहा है। अतीत में भी ऐसा हुआ है। द्रमुक इसे भविष्य में भी जारी रखेगी। द्रमुक के प्रवक्ता जे. कॉन्स्टैंडिन रवींद्रन ने भाजपा पदाधिकारियों की निंदा करते हुए कहा कि वे जानबूझकर झूठ फैला रहे हैं।

उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, द्रमुक एक समतावादी समाज के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। तमिलनाडु जैसा कोई विशेष राज्य श्रेष्ठ नहीं है। उत्तर प्रदेश या बिहार जैसा कोई अन्य राज्य हीन नहीं है। भाजपा के लोगों की दुर्भावना स्पष्ट है क्योंकि वे कुछ ऐसा दावा कर रहे हैं जो दयानिधि मारन ने कभी नहीं कहा या इसका मतलब यह नहीं था।

सरकार हिजाब मुद्दे पर नफा-नुकसान देखने के बाद फैसला करेगी : परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि राज्य सरकार हिजाब मुद्दे पर पक्ष-विपक्ष पर विचार करने के बाद उचित निर्णय लेगी। परमेश्वर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने खुद कहा कि हिजाब पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है और पिछली भाजपा सरकार ने इस संबंध में कोई आदेश जारी नहीं किया था। भले ही उन्होंने ऐसा कोई आदेश जारी किया हो, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि इसकी पूरी तरह से जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई भ्रम पैदा करने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि हिजाब पहनना (सिर ढंकना) कुछ समुदायों में एक ऐतिहासिक प्रथा रही है। व्याख्या में भिन्नता केवल भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान सामने आई। आगे उन्होंने कहा कि हम संवैधानिक दायरे से बाहर कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। हमारे निर्णय इन सीमाओं के भीतर होंगे, जिन पर मिश्रित प्रतिक्रियाएँ हो सकती हैं। लेकिन हम संविधान के दायरे में रहकर ही कोई फैसला लेंगे।

जनता तय करेगी मैं देशभक्त हूं या गद्दार : प्रताप सिम्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा सदस्य प्रताप सिम्हा ने संसद सुरक्षा चूक के मामले पर रविवार को कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के दौरान जनता तय करेगी कि वह देशभक्त हैं या गद्दार। उन्होंने कहा कि वह घटना और जांच में कोई भी नयी चीज नहीं जोड़ना चाहते। सिम्हा ने कहा कि उन्होंने सब कुछ भगवान और अपने प्रशंसकों पर छोड़ दिया है, जो यह तय करेंगे कि उनके खिलाफ लगाए कथित 'देशद्रोह' के आरोप सही हैं या नहीं।

तेरह दिसंबर को लोकसभा सदन में कूदने लगाने वाले प्रदर्शनकारी सिम्हा के कार्यालय द्वारा जारी पास लेकर संसद में

घुसे थे और उन्होंने सदन में 'कैन' से धुआं छोड़ा था। भाजपा सांसद ने कहा, प्रताप सिम्हा गद्दार है या फिर देशभक्त, इसका फैसला मैसुरु की पहाड़ियों पर विराजमान मां चामुंडेश्वरी, ब्रह्मगिरी पर विराजमान मां देवी कावेरी, पिछले 20 वर्षों से मेरी लिखी किताबें पढ़ रहे कर्नाटक के मेरे प्रशंसक, पिछले साढ़े नौ वर्षों से मेरा काम देख रही मैसुरु व कोडगु की जनता, देश, धर्म और राष्ट्रवाद से संबंधित मुद्दों पर मेरे आचरण पर अप्रैल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में पड़ने वाले वोट तय करेंगे।

सिम्हा को 'गद्दार' बताने वाले पोस्टर से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, वे (जनता) ही एकमात्र फैसला सुनाएगी। वे तय करेंगे कि मैं देशभक्त हूं या नहीं। मैंने उनके फैसले पर सबकुछ छोड़ दिया है। मुझे इसपर कुछ और नहीं कहना। कांग्रेस और कुछ अन्य संगठनों ने संसद की सुरक्षा में चूक की घटना के बाद सिम्हा के खिलाफ प्रदर्शन किया था। घटना और क्या पुलिस द्वारा उनका बयान दर्ज किया गया, इसे लेकर पूछे गए सवाल पर सिम्हा ने कहा, मुझे जितना कहना था मैंने कह दिया। मुझे इस मुद्दे पर अब और कुछ नहीं कहना।

प्रदर्शनी

रविवार को मैसूरु पैलेस में पुष्प प्रदर्शनी सप्ताहांत उमड़ी भीड़ का एक दृश्य।

कर्नाटक में जातीय जनगणना व्यवस्थित ढंग से नहीं कराई गई, नये सिरे से सर्वेक्षण कराएं : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता बी एस येडीयुरप्पा ने रविवार को कहा कि 'जातीय जनगणना' नाम से चर्चित कर्नाटक का सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण व्यवस्थित ढंग से नहीं कराया गया, ऐसे में राज्य की कांग्रेस सरकार से अनुरोध है कि वह नये सिरे से

सर्वेक्षण कराए और तथ्यों को लोगों के सामने रखे। कर्नाटक में वर्चस्व रखने वाले दो समुदायों (वोक्कलिगा और लिंगायत) ने भी इस सर्वेक्षण को अवैज्ञानिक करार देते हुए अस्वीकार कर दिया है तथा मांग की है कि इसे खारिज कर नये सिरे से सर्वेक्षण कराया जाए।

पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा ने कहा, सभी के दिमाग में यह बात है कि सर्वेक्षण व्यवस्थित ढंग नहीं कराया गया। मेरी भी ऐसी ही राय है। इसलिए नये सिरे से जाति आधारित सर्वेक्षण कराया जाए तथा तथ्यों से लोगों को अवगत कराया जाए। मैं सरकार से इस दिशा में ईमानदार प्रयास करने की अपील करता हूं।

येडीयुरप्पा लिंगायत समुदाय से आते हैं। साल 2015 में सिद्धरमैया की अगुवाई वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार (2013-2018) ने राज्य में 170 करोड़ रुपये के अनुमानित खर्च से सामाजिक-आर्थिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण कराया था जिसे 'जातीय जनगणना' कहा गया था। तत्कालीन अध्यक्ष एच कंठराजू की अध्यक्षता में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग को इस जातीय जनगणना की रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी दी गयी थी।

मंत्रिमंडल विस्तार कुछ दिनों में होने की उम्मीद ?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूत्रों ने बताया, रणनीति मंत्रिमंडल में जातियों और क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन बनाए रखने की होगी। संभावना है कि ज्यादातर मंत्री 40-55 वर्ष की आयु वर्ग के होंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया, यह एक ऊर्जावान टीम होगी। जब से भजन लाल शर्मा को नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है, तब से पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में उत्साह है।

जयपुर। राजस्थान में पहला मंत्रिमंडल विस्तार कुछ दिनों में होने की उम्मीद है और इसमें युवा और अनुभवी दोनों नेताओं को मौका दिया जा सकता है। भाजपा के सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पहली बार विधायक बने भजन लाल शर्मा ने इस महीने की शुरुआत में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

उनके साथ दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। राजस्थान की 200 सदस्यों वाली विधानसभा में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 30 मंत्री हो सकते हैं। भाजपा के एक सूत्र ने बताया, मंत्रिमंडल का पहला विस्तार सोमवार या मंगलवार को होने की उम्मीद है और लगभग 15 विधायकों को मंत्रिपरिषद में शामिल किए जाने की संभावना है।

सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल में युवा के साथ ही अनुभवी विधायकों को भी जगह मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्रियों के लिए संभावितों में बाबा बालकनाथ, शैलेश सिंह, नौक्षम चौधरी, संदीप शर्मा, जवाहर सिंह बेदाम और महंत प्रताप पुरी शामिल हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने हाल ही में दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य से मुलाकात की थी और माना जाता है कि उन्होंने उनके साथ मंत्रिमंडल विस्तार से संबंधित मामलों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री और उनके दो उपमुख्यमंत्री क्योंकि जयपुर जिले के निर्वाचन क्षेत्रों से विधायक के रूप में चुने गए थे, इसलिए उम्मीद है कि मंत्री राज्य के अन्य हिस्सों से होंगे। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जयपुर के सांगानेर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, वहीं दीया कुमारी विद्याधर नगर और प्रेम चंद बैरवा दूदू से विधायक हैं।

सूत्रों ने बताया, रणनीति मंत्रिमंडल में जातियों और क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व के बीच संतुलन बनाए रखने की होगी। संभावना है कि ज्यादातर मंत्री 40-55 वर्ष की आयु वर्ग के होंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया, यह एक ऊर्जावान टीम होगी। जब से भजन लाल शर्मा को नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है, तब से पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में उत्साह है, जो मानते हैं कि एक समर्पित कार्यकर्ता को उच्च पद पर पहुंचाया जा सकता है।

मंत्रिमंडल विस्तार के साथ ही सरकारी कामकाज में भी तेजी आएगी। वित्त विभाग ने शुक्रवार को सभी विभागों को अगले आदेश तक कार्यों के लिए नई निविदाएं आमंत्रित नहीं करने का निर्देश दिया था और कहा था कि ऐसे सभी कार्य सरकार की मंजूरी के बाद शुरू होंगे। सरकार ने अपने विभागों से यह भी कहा है कि यदि निविदाएं आमंत्रित करने के बाद कार्य आदेश जारी नहीं किया गया है तो वे अगले निर्देश तक कार्य आदेश जारी न करें। एक आदेश में, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा ने विभागों को यह भी निर्देश दिया है कि यदि किसी परियोजना के लिए काम शुरू नहीं हुआ है तो नए कार्यों को रोक दिया जाए।

वित्त विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, सभी प्रशासनिक विभागों को पूर्व में दी गई प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति की स्थिति में निर्देशों का पालन करने को कहा गया है। विभागों से कहा गया है कि ऐसी सभी स्वीकृतियों को मुख्यमंत्री या विभागीय मंत्रियों के संज्ञान में लाया जाए और कार्य किया जाए और उनकी मंजूरी के बाद ही अनुमति दी जाएगी।'

राजस्थान में भाजपा सरकार की 10 प्रमुख प्राथमिकताओं में हर जिले में महिला पुलिस थाना और सभी पुलिस थानों में महिला डेस्क स्थापित करना, प्रमुख शहरों में एंटी-रोमियो स्क्वाड का गठन और विभिन्न मामलों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाना शामिल है। जिनमें सरकारी भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले भी शामिल हैं।

सरकार की प्राथमिकताओं में 6,800 करोड़ रुपये के निवेश से क्षेत्रीय विरासत केंद्रों की स्थापना, 'केजी से पीजी' तक सभी छात्राओं को मुफ्त शिक्षा प्रदान करना और प्रशिक्षण के माध्यम से पांच लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए पर्यटन क्षेत्र में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करना अन्य प्राथमिकताएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पेपर लीक मामलों की जांच के लिए एसआईटी और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

मिश्र ने वाजपेयी की जयंती पर किए श्रद्धासुमन अर्पित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये है। मिश्र ने वाजपेयी और उनके सुशासन को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए उन्होंने जन हित से जुड़ी सोच की परिणामुलक परंपराएं स्थापित की।

वह राजनीति में शुचिता के साथ सबको साथ लेकर समन्वय से देश को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते थे। संविधान से जुड़ी संस्कृति और भारतीय सनातन परंपराओं से जुड़ा उनका व्यक्तित्व विरल व्यक्तित्व था।

विकसित भारत की सोच को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने सुशासन को सदा प्राथमिकता दी। मिश्र ने वाजपेयी के जन्म दिवस पर उनके उदात्त जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

मोदी के नेतृत्व में देश ने तरक्की के नए आयाम स्थापित किए : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी आज अपने विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर में विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुईं। ये यात्राएं यहां सीकर रोड स्थित सन एंड मून और दादी का फाटक पर आयोजित की गई। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति के चेक वितरित किए।

यहां उन्होंने कहा कि विगत नौ वर्षों की विकास यात्रा से देश ने तरक्की के नए आयाम स्थापित किए हैं। देश में आधारभूत संरचना तेजी से मजबूत हुई है और व्यापार करना आसान हुआ है। तकनीक के नए युग का सूत्रपात हुआ है तथा भारत वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरा है। यह सभी प्रदेशवासियों के लिए गौरव का क्षण है कि हम सभी साथ मिलकर इस विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से विकसित भारत के पथ पर कदम बढ़ा रहे हैं।

इन यात्राओं के अलावा उप मुख्यमंत्री सिविल लाइंस स्थित हरि महल पैलेस में आयोजित क्षत्रिय प्रतिभा सम्मान समारोह और सांगानेर के एस. एस. जैन सुबोध स्कूल में आयोजित विद्यार्थी विज्ञान मंथन में अतिथि के तौर पर शामिल हुईं।

अलवर में तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले में एक युवती के साथ एक साल से अधिक समय तक बलात्कार करने के आरोप में तीन पुलिस कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अलवर के पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि युवती(18) ने शनिवार शाम को उन्हें तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि पीड़िता ने यह भी दावा किया कि आरोपी ने मामले की शिकायत करने पर उसके भाई को झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी थी। शर्मा ने बताया कि पुलिसकर्मियों को उनके तैनाती स्थलों से हटा कर पुलिस लाइन भेज दिया गया है।

उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रेणी पुलिस थाने में सामूहिक दुष्कर्म और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों में से एक रैणी थाने में, एक राजगढ़ वृत्ताधिकारी कार्यालय (सीओ कार्यालय) में और दूसरा मालाखेड़ा थाने में तैनात था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा कि उसके साथ एक साल से अधिक समय तक बलात्कार किया गया। पीड़िता अपनी मां के साथ पुलिस अधीक्षक के कार्यालय आई थी। आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज करने पर शर्मा ने कहा कि जब पिछले साल नवंबर में उसके साथ बलात्कार किया गया था तब वह नाबालिग थी। उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पीड़िता को तुरंत रैणी पुलिस थाने भेजा गया और शनिवार रात को प्राथमिकी दर्ज की गई।

राजस्थान में तापमान में उतार-चढ़ाव जारी, प्रदेश के कुछ हिस्सों में घना कोहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में उतार-चढ़ाव जारी है। वहीं राज्य के कुछ स्थानों पर रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा।

मौसम विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि रविवार सुबह सीकर जिले का फतेहपुर न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया।वहीं अलवर में न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि झुंझुनू के पिलानी में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि सिरोही में रात का तापमान 7.1 डिग्री, चुरू में 7.3 डिग्री, सीकर शहर में 7.5 डिग्री, अंता (बारां) में 7.7 डिग्री और करौली में 7.9 डिग्री दर्ज किया गया।

इस बीच, रविवार को पश्चिमी, उत्तरी और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने अगले एक सप्ताह तक राज्य में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि अगले दो-तीन दिनों में राज्य के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में अलग-अलग स्थानों पर घना कोहरा छाए रहने और न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट आने की भी संभावना है। वहीं 31 दिसंबर से प्रदेश में एक और नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने का अनुमान है।

प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनी

फर्जी डिग्री-मार्कशीट गिरोह से जुड़े व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी : पुलिस महानिदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उमेश मिश्रा ने फर्जी डिग्री और अंक तालिका बनाने वाले गिरोह से जुड़े सभी व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल ने शिक्षा की आड़ में अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए हाल में निर्देश जारी किये थे। मिश्रा ने बताया, पुलिस मुख्यालय द्वारा इन गिरोह से जुड़े व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एमएन इसकी निगरानी करेंगे। यह टीम प्रदेश व अन्य राज्यों में फर्जी डिग्री और अंक तालिका बनाने वाले विश्वविद्यालय एवं शिक्षण संस्थानों पर नजर रखेगी।

उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों को इस संबंध में प्राप्त शिकायतों पर तत्काल अनुसंधान कर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मिश्रा ने बताया कि विगत दिनों जोधपुर पश्चिम जिला पुलिस ने विभिन्न विश्वविद्यालयों के कई पाठ्यक्रमों की फर्जी अंक तालिका देकर ठगी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड नरेश प्रजापत (28) को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के विरुद्ध थाना कुड़ी भगतासनी स्थित एक स्कूल के संचालक अशोक कुमार गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। राज्य एवं राज्य से बाहर के विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रवेश करवाने के नाम पर आरोपी प्रजापत ने पीड़ित से 2021 से 30 लोगों के आवेदन लेकर 26 लाख रुपये ले लिए और सभी को फर्जी डिग्री और अंक तालिका थमा दी।

पुलिस महानिदेशक ने बताया, पुलिस ने मामले में त्वरित अनुसंधान कर आरोपी नरेश प्रजापत को 18 दिसंबर को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि प्रजापत की अन्य राज्यों के फर्जी डिग्री देने वाले एजेंट से संपर्क है। पैसे लेकर आरोपी उत्तराखंड शिक्षा परिषद रुड़की, मेवाड़ यूनिवर्सिटी गंगरार चितौड़गढ़, कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर मध्य प्रदेश और आईईसी यूनिवर्सिटी हिमाचल प्रदेश के नाम से जारी फर्जी डिग्रियां देता था। मिश्रा ने बताया, अन्य राज्यों में इसके गिरोह के सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) गौरव यादव की अगुवाई में दो टीम रवाना की गई हैं। अभियुक्त प्रजापत को रिमांड पर लेकर गहनता से अनुसंधान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि फर्जी अंक तालिका एवं डिग्रियां तैयार करने वाले प्रत्येक आरोपी को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

अब योजनाओं का लाभ सभी पात्रों को मिलेगा : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। गजेन्द्र सिंह शेखावत जैसलमेर के रामदेवरा में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में आशाओं का सूर्योदय हुआ है। भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनी है। विश्वास के साथ कह सकता हूं कि जो अड़चनें राजनीतिक द्वेश के चलते आ रही थीं, वह दूर होंगी। अब पात्र लोगों को मोदी की योजनाओं का मेरिट के आधार पर लाभ मिलेगा।

शेखावत ने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद देश आजाद हुआ। इस संघर्ष में लाखों लोगों ने अपनी कुर्बानी दी। स्वतंत्रता सेनानियों को इस बात की प्रेरणा थी कि आजाद होने के बाद अपनी सरकार चुनने का सौभाग्यपूर्ण अवसर मिलेगा, लेकिन आजादी के बाद जिस गति से सरकारों को काम करना चाहिए, उस गति से नहीं हुआ। इसके कारण जनता को सरकारों से निराशा होने लगी। सरकारों की आदत अभावों में काम करने की पड़ गई थी। इसलिए सरकारी योजनाओं का उपयोग वोटों के लिए होकर रह गया। योजनाओं का लाभ संपूर्ण जनता को नहीं मिल पाता था। गरीब व्यक्ति जिसके लिए योजना बनी थी, वह विकास के दिए को टिमटिमाते हुए देखता था। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने सामान्य मानवी के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए अनेक योजनाएं बनाईं और उनका त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन किया। इसका प्रभाव यह हुआ कि देश में तेरह करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल गए। मूलभूत संसाधनों का विकास हुआ।

यह मोदी का संकल्प है कि आगामी 25 सालों में देश को विकसित भारत बनाएंगे। इस लक्ष्य को लेकर संकल्पबद्ध होकर काम कर रही है। इसी के निमित्त विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की गई है। यात्रा के माध्यम से केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को दिलाएंगे। पात्र लोगों को पंजीकृत कराएंगे।

शेखावत ने कहा कि जो पंचायतें केन्द्र सरकार की संपूर्ण योजनाओं में क्षेत्र के सौ प्रतिशत पात्र लोगों का लाभ दिलाएंगी, उस पंचायत को सांसद विकास कोष से दस लाख का अतिरिक्त फंड दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं विधायक जी से भी अनुरोध करूंगा कि वे इस प्रकार की घोषणा करें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे गांवों में जाकर केन्द्र सरकार की योजनाओं के पात्र व्यक्तियों का पता लगाएं और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करें।

शेखावत ने कहा कि रामदेवरा को आदर्श ग्राम योजना में शामिल किया था। आज सरपंच महोदय की वजह से यहां करोड़ों के काम हुए हैं, लेकिन आदर्श गांव वह होगा, जो अपराध मुक्त हो और नशामुक्त हो।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश आगे बढ़ रहा है। पूरी दुनिया इस बात को स्वीकार करने लगी है। कोरोना काल में भी भाजपा कार्यकर्ता जनता की सेवा में लगे रहे। कोरोना का टीका सबसे पहले भारत में बना।

अपील

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने रविवार को श्रीकरणपुर में भाजपा प्रत्याशी सुरेंद्रपाल सिंह टीटी के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर क्षेत्रवासियों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

पानी पीने पर युवक पर कुल्हाड़ी से किया वार, जानलेवा हमला करने वाला पुजारी गिरफ्तार

झालावाड़। प्रदेश के झालावाड़ जिले के अंतर्गत सलोतिया गांव में अपनी दादी के अंतिम संस्कार में पहुंचे युवक को मटकी से पानी पीने पर वहां के पुजारी ने कुल्हाड़ी मारकर घायल कर दिया। घायल युवक को झालावाड़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हमले में घायल युवक बबलू अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने आया था। वह बावड़ी के पास ही बनी राजू महाराज की कुटिया के बाहर रखी पानी की मटकी से पानी पीने गया तो महाराज ने गाली-गलौज की और बबलू पर कुल्हाडी से वार कर दिया। युवक पर जानलेवा हमला करने के आरोप में पुजारी राजू मेघवाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि फरियादी सूरज निवासी सलोतिया द्वारा थाना कोतवाली पर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी कि दादी के अंतिम संस्कार में आए बबलू बैरवा को पुजारी राजू मेघवाल ने कुल्हाड़ी से गर्दन पर वार कर घायल कर दिया। घायल युवक को इलाज के लिए झालावाड़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर पुजारी राजू मेघवाल को गिरफ्तार कर लिया है।

मुफ्त राशन बांटकर भाजपा ने गरीबों का मजाक उड़ाया : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मुफ्त राशन बांटकर गरीबों का मजाक उड़ाने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि भाजपा सरकार का काम जनता को धोखा देना है।

यादव ने यहां पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में कन्नौज के प्रबुद्ध समाज तथा महा ब्राह्मण समाज पंचायत के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए आरोप लगाया, ''भाजपा सरकार का काम जनता को धोखा देना है। वह लोगों को गुमराह करने में माहिर है। भाजपा ने गरीबों के सम्मान को चोट पहुंचाई है। मुफ्त राशन बांटकर भाजपा ने गरीबों की गरीबी का मजाक उड़ाया है।'' उन्होंने कहा, भाजपा राज में किसान परेशान हैं। नौजवान बेरोजगार हैं। जब किसानों को रोजगार देंगे तभी उनकी आमदनी बढ़ेगी। यादव ने दावा किया, भाजपा की पूरी राजनीति झूठ को छुपाने और सत्य पर पर्दा डालने की है। भाजपा सरकार को जनता के दुःख दर्द से कोई मतलब नहीं है। समाजवादी पार्टी गरीबों की हितैषी है जबकि भाजपा सरकार पूंजीपतियों के संरक्षण उन्हें फायदा पहुंचाने में लगी रहती है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी पीड़ित और वंचित समाज के संघर्ष में साथ रहेगी। उनकी हर संभव मदद की जाएगी। सपा सभी को साथ लेकर चलती है। आगे बढ़ने के लिए समाजवादी पार्टी का साथ दीजिए।'' सपा अध्यक्ष ने कहा, ''प्रदेश के विकास से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। पूंजी निवेश के नाम पर सिर्फ तड़क-भड़क सम्मेलन किए गए।

धर्म पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि नैतिकता, नैतिक मूल्यों और कर्तव्य का समन्वित रूप : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि धर्म पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि नैतिकता, नैतिक मूल्यों और कर्तव्य का समन्वित रूप है। ग्रेटर नोएडा में स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने भगवान गौतम बुद्ध का आह्वान करते हुए कहा कि उनका जीवन न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि देश और दुनिया को एक नया रास्ता भी दिखाता है। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौतम बुद्ध की शिक्षाएं लोगों को समाधान खोजने के लिए पहले समस्याओं को स्वीकार करने और एक टीम के रूप में काम करने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि एक ही नेता के तहत काम करना अधिक फायदेमंद होता है। आदित्यनाथ ने कहा, ''बुद्ध ज्ञान और विवेक के साथ धर्म के मार्ग पर चलने और ज्ञान प्राप्त करने का संदेश देते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दीक्षांत समारोह भारत की गुरुकल परंपरा से आया है, जिसमें गुरु शिक्षा देने के बाद अपने शिष्य को उपदेश देते हैं कि उन्होंने जो भी ज्ञान अर्जित किया है उसका सार सत्य बोलना और धर्म के मार्ग पर चलना है। उन्होंने बताया कि बुद्ध भी धर्म की शरण में जाने को कहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, धर्म कोई पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि नैतिकता, नैतिक मूल्यों और कर्तव्य का समन्वित रूप है। यह हर देश, काल और परिस्थिति में एक समान रहता है। पूजा-पद्धति देश, काल और परिस्थिति के अनुसार बदलती रहती है। लेकिन धर्म एक शाश्वत प्रणाली है।

'आदर्शों का आदर्श है उत्तर प्रदेश'

नोएडा/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने निवेश, कानून और व्यवस्था के मामले में उत्तर प्रदेश में हो रहे आमूल चूल बदलाव के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रविवार को प्रशंसा की।

ग्रेटर नोएडा में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने जिस तरह से विकास और औद्योगिक विकास के प्रति कार्य किया है उससे उत्तर प्रदेश 'आदर्शों का आदर्श' बनने की स्थिति में पहुंचा गया है। उन्होंने कहा, जब योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो मैं आश्चर्यचकित रह गया क्योंकि कानून व्यवस्था और विकास दोनों ही राज्य के लिए चिंता की बड़ी बात नहीं थी। उन्होंने कहा कि तब लोगों में निराशा थी क्योंकि सत्ता में बैठे लोग मुद्दों पर विचार करने के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन अब एक बड़े बदलाव के साथ उत्तर प्रदेश आदर्श बन गया है।

धर्मांतरित आदिवासियों को अनुसूचित जनजाति की सूची से हटाने की मांग को लेकर रैली निकाली गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में हजारों आदिवासियों ने ईसाई और इस्लाम जैसे अन्य धर्मों को अपनाने वाले आदिवासियों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) की सूची से 'हटाने' की मांग को लेकर रांची स्थित मोरहाबादी मैदान में रविवार को एक रैली निकाली।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) समर्थित वनवासी कल्याण केंद्र से संबद्ध जनजाति सुरक्षा मंच (जेएसएम) के बैनर तले क्रिसमस से एक दिन पहले 'उलगुलान आदिवासी उलगुलान महारैली' का आयोजन किया गया।

राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए आदिवासियों ने पारंपरिक पोशाक पहनकर और धनुष, तीर, तलवार तथा दरांती जैसे हथियार लहराते हुए रैली में भाग लिया।

रैली में पद्म विभूषण से सम्मानित और पूर्व केंद्रीय मंत्री करिया मुंडा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा सांसद सुदर्शन भगत और राज्यसभा सदस्य समीर ओरांव, जेएसएम के राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत और कई अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

सुदर्शन भगत ने कार्यक्रम से इतर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, रैली का मुख्य उद्देश्य उन आदिवासियों को सूची से हटाने की मांग करना था जिन्होंने अन्य धर्म अपना लिए हैं। उन्हें अनुसूचित जनजातियों को मिलने वाले आरक्षण के लाभ से वंचित किया जाना चाहिए। उनके पास वास्तविक आदिवासियों के लाभ लेने का कोई अधिकार नहीं है।

समीर ओरांव ने कहा कि आदिवासियों को उनकी संस्कृति, आस्था और परंपरा की रक्षा करते हुए विकास के लिए सशक्त बनाने के लिए कई लाभ दिए गए हैं। उन्होंने कहा,''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग अपनी संस्कृति, आस्था और परंपरा को त्याग कर ईसाई या मुसलमान बन गए हैं।

बेरोजगारी देश में सबसे ज्वलंत मुद्दा है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि बेरोजगारी देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा है।

भाजपा नीत केंद्र सरकार पर हमला करते हुए खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''देश का युवा पूछ रहा है कि सालाना दो करोड़ नौकरियां कहां गईं? भर्ती परीक्षाओं से नौकरी मिलने तक का सफर इतना जटिल क्यों हो गया है?'' उन्होंने कहा, ''बेरोजगारी देश का सबसे ज्वलंत मुद्दा है।''

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के जुलाई 2022-जून 2023 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''15-29 वर्ष की आयु के व्यक्तियों की बेरोजगारी दर 10 प्रतिशत है।''

पीएलएफएस आंकड़ों का हवाला देते हुए खरगे ने कहा कि जुलाई 2022-जून 2023 की अवधि में देश में 15-19 वर्ष आयु वर्ग में ग्रामीण क्षेत्र में बेरोजगारी दर 8.3 प्रतिशत थी, जबकि इसी अवधि में शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी दर 13.8 प्रतिशत थी। उन्होंने पूछा, ''एमएसएमई क्षेत्र को बर्बाद कर, करोड़ों युवाओं की नौकरियां छीन, उनका भविष्य क्यों बर्बाद किया गया?''

ओडिशाः कामिया जानी ने कहा, मैं एक हिंदू हूं और कभी गोमांस नहीं खाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर' एवं कर्ली टेल्स की संस्थापक कामिया जानी के श्री जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करने को लेकर उत्पन्न विवाद के बीच जानी ने रविवार को स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि वह एक हिंदू हैं और उन्होंने कभी भी गोमांस नहीं खाया तथा न ही कभी इसे बढ़ावा दिया।

मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से माफी की विपक्षी दल कांग्रेस की मांग और एक सांस्कृतिक संगठन द्वारा जानी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर राज्य की राजधानी में प्रदर्शन किए जाने के एक दिन बाद सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर' ने अपने 'इंस्टाग्राम' पेज पर एक वीडियो साझा किया और अपनी सफाई दी।

भाजपा ने नौकरशाह से नेता बने बीजू जनता दल (बीजद) के वी.के. पांडियन पर जानी को मंदिर में प्रवेश देने के लिए मदद करने का आरोप लगाया है।

जानी ने वीडियो संदेश में कहा, ''पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर जाने के पीछे मेरा उद्देश्य भगवान का आशीर्वाद लेना और लोगों को मंदिर के बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में सूचित करना था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मेरी यात्रा विवाद में पड़ गई है।''

यह रेखांकित करते हुए कि मंदिर प्रशासन के अपने नियम हैं, जानी ने कहा, ''मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि मैंने कोई नियम नहीं तोड़ा है। मैं एक हिंदू हूं। मैंने न तो कभी गोमांस खाया है और न ही इसे बढ़ावा दिया है।'' जानी ने कहा कि एक 'फूड ब्लॉगर' के रूप में उन्होंने लोगों को विभिन्न स्थानों के स्थानीय व्यंजनों के बारे में जानकारी दी और केरल से संबंधित वीडियो में भी यही हुआ है, जिसके 'स्क्रीनशॉट' का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने वीडियो में कहा, ''यह गलतफहमी हो सकती है। यह स्पष्टीकरण गलतफहमी को खत्म करने के लिए है।''

इससे पहले, भाजपा ने जानी पर गोमांस के सेवन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। दूसरी ओर, बीजद सांसद मानस मंगराज ने जानी की जगन्नाथ मंदिर यात्रा पर आपत्ति जताने के लिए भाजपा पर सवाल उठाए।

'युवा आगे आकर राष्ट्र-निर्माण में योगदान करें'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

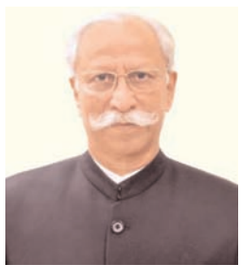

ईटानगर/भाषा। अरूणाचल प्रदेश के राज्यपाल के. टी. परनाइक ने रविवार को राज्य के युवाओं से करूणा, गर्व और अपनापन के भाव से राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का आह्वान किया।

परनाइक ने कहा कि युवाओं को एक 'नई कार्यसंस्कृति' बनानी है जिसकी बुनियाद मूल्य, नैतिकता एवं आचार-विचार हो ताकि 'पृथकतावादी' प्रवृतियों, कट्टर रवैये और नकारात्मक सोच प्रदर्शित करने वाले तत्वों से निपटा जा सके। उन्होंने यहां 26 वें राष्ट्रीय एकता एवं युवा नेतृत्व शिविर का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा , '' भविष्य के नेता होने के नाते उनपर भारत और उसकी समृद्ध , विविध, प्राचीन एवं आधुनिक संस्कृति, ज्ञान प्रणाली एवं परंपराओं पर करूणा, गर्व एवं अपनापन के भाव के साथ नेतृत्व करने की बड़ी जिम्मेदारी है ।''

राज्यपाल ने कहा, '' यह जरूरी है कि उनके प्रयासों के केंद्र में भारतीय होने पर गहरे गर्व का भाव हो, ज्ञान कौशल, मूल्य एवं ऐसा झुकाव विकसित करने पर ध्यान दिया जाए जो मानवाधिकार, राष्ट्र कल्याण, सामूहिक सहयोग का समर्थन करता हो।'' उन्होंने सांस्कृतिक विविधता को सहज रूप से स्वीकार करने तथा दूसरों के प्रति सम्मान के भाव पर बल दिया।

आईईडी विस्फोट में एसओजी के दो जवान घायल

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कंधमाल जिले के एक जंगल में रविवार को तलाशी अभियान के दौरान एक संवर्धित विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में धमाका होने से, उसकी चपेट में आकर ओडिशा पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के दो जवान घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आईईडी माओवादियों द्वारा लगाया गया था और एसओजी जवानों के गलती से छूने के बाद इसमें विस्फोट हो गया। कंधमाल के पुलिस अधीक्षक सुवेंदु कुमार पात्रा ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया, ''विस्फोट सुबह करीब 10 बजे जिले के तुमुदीबंध थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक जंगली इलाके में उस समय हुआ, जब एसओजी के जवान तलाशी अभियान चला रहे थे।'' उन्होंने बताया कि एसओजी के दोनों जवान खतरे से बाहर हैं। अधिकारी ने बताया कि एक जवान की आंख में चोट लगी है।

केएल राहुल से विकेटकीपिंग को लेकर चर्चा की, वह आश्वस्त हैं : द्रविड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेंचुरियन/भाषा। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने रविवार को कहा कि केएल राहुल टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपिंग को लेकर आश्वस्त हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला में भारतीय टीम के नए विकेटकीपर को कुछ नया करने का अवसर मिलेगा।

केएस भरत का टेस्ट क्रिकेट में बल्लेबाजी पक्ष कमजोर है। भारतीय टीम प्रबंधन के पास इशान किशन के रूप में अन्य विकल्प था लेकिन उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए विश्राम का फैसला किया है। ऐसे में भारतीय टीम प्रबंधन के पास राहुल ही सर्वश्रेष्ठ विकल्प हैं।

द्रविड़ ने यहां पत्रकारों से कहा,''मैं इसे रोमांचक चुनौती के रूप में देखता हूं। यह निश्चित तौर पर उनके पास कुछ अलग करने का मौका है। इशान के यहां नहीं होने से उन्हें यह मौका मिला है। हमारे पास चयन के लिए दो विकेटकीपर हैं और राहुल उनमें से एक है।'' उन्होंने कहा,''हमने उनसे इस बारे में चर्चा की और वह पूरी तरह से आश्वस्त है। वह इस भूमिका को निभाने के लिए उत्साहित है।''

द्रविड़ इस बात को समझते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपिंग की चुनौती पूरी तरह से भिन्न होती है लेकिन उनको पूरा विश्वास है कि राहुल अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे क्योंकि 50 ओवरों के प्रारूप में उन्होंने यह भूमिका अच्छी तरह से निभाई है।

द्रविड़ ने कहा,''हम जानते हैं कि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अक्सर विकेटकीपिंग नहीं की है लेकिन वह 50 ओवर की क्रिकेट में लगातार ऐसा करते रहे हैं। पिछले पांच-छह महीनों में उन्होंने अच्छी तरह से तैयारी की है। उन्होंने इस बीच काफी विकेटकीपिंग की है।'' उन्होंने कहा,''यह उनके लिए नई और आकर्षक चुनौती होगी। मुझे लगता है कि यहां गेंद अधिक स्पिन नहीं होगी जिससे उनका काम थोड़ा आसान हो जाएगा।''

तेजस्वी ने की हिंदी पट्टी के लोगों के बारे में द्रमुक सांसद मारन के बयान की आलोचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने हिंदी पट्टी के लोगों के बारे में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद दयानिधि मारन के कथित बयान को लेकर उनकी आलोचना की।

मारन ने कथित तौर पर कहा था कि हिंदी पट्टी के लोग तमिलनाडु में शौचालय साफ कर रहे हैं और अन्य छोटे-मोटे काम कर रहे हैं।

यादव ने कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की तरह, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक भी ऐसी पार्टी है जो सामाजिक न्याय में विश्वास करती है और ऐसी पार्टी के नेता के लिए इस तरह की टिप्पणी करना अशोभनीय है।

राजद नेता ने कहा, ''अगर द्रमुक सांसद ने जातीय अन्याय को उजागर किया होता, अगर उन्होंने बताया होता कि केवल कुछ सामाजिक समूहों के लोग ही ऐसी खतरनाक काम करते हैं, तो इसका कोई मतलब होता।''

यादव ने कहा, ''लेकिन बिहार और उत्तर प्रदेश की पूरी आबादी के बारे में अपमानजनक बातें करना निंदनीय है। हम इसकी निंदा करते हैं। हमारा मानना है कि लोगों को देश के अन्य हिस्सों से आने वालों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार करना चाहिए।''

माना जाता है कि यादव के स्टालिन के साथ व्यक्तिगत संबंध अच्छे हैं।

राजद नेता यादव ने कहा, ''हम द्रमुक को एक ऐसी पार्टी के रूप में देखते हैं जो सामाजिक न्याय के हमारे आदर्श में यकीन करती है। इसके नेताओं को ऐसी बातें कहने से बचना चाहिए जो इस आदर्श के विपरीत हों।''

डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद बृजभूषण ने कहा, मैंने कुश्ती से संन्यास ले लिया है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने रविवार को यहां कहा कि उन्होंने इस खेल से संन्यास ले लिया है क्योंकि उनके पास कई अन्य जिम्मेदारियां हैं जिनमें अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव भी शामिल हैं।

बृजभूषण ने भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिलने के बाद यह टिप्पणी की। इससे पहले खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया था।

डब्ल्यूएफआई की नवनिर्वाचित संस्था को निलंबित करने के लिए सरकार ने 'उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना और खिलाड़ियों को तैयारी के लिए नोटिस दिए बिना' अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की 'जल्दबाजी में की गई घोषणा' को आधार बताया।

मंत्रालय ने साथ ही कहा कि नई संस्था 'पूरी तरह से पूर्व पदाधिकारियों के नियंत्रण' में काम कर रही थी जो राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुरूप नहीं है।

डब्ल्यूएफआई के चुनाव 21 दिसंबर को हुए थे जिसमें बृजभूषण के विश्वासपात्र संजय सिंह और उनके पैनल ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी।

बृजभूषण ने कहा,''मैंने 12 वर्ष तक कुश्ती की सेवा की। अच्छा या बुरा किया यह समय बताएगा। मैंने अब कुश्ती से संन्यास ले लिया है। मैं अब इस खेल से नाता तोड़ रहा हूं। अब जो भी निर्णय लेने हैं चाहे वह सरकार से संपर्क करना हो या कानूनी प्रक्रिया को संभालना हो, इसका फैसला अब नवनिर्वाचित सदस्य करेंगे। लोकसभा चुनाव पास में हैं और मुझे आगे बढ़ना है।''

बृजभूषण ने स्पष्ट किया कि अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप को आयोजित करने का फैसला इसलिए जल्दबाजी में लिया गया क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि युवा खिलाड़ी अपने करियर का एक महत्वपूर्ण साल गंवाए। उन्होंने कहा,''पुरानी समिति को अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन का फैसला इसलिए जल्दबाजी में करना पड़ा क्योंकि 31 दिसंबर को वर्ष 2023 का प्रतियोगिता चक्र समाप्त हो जाएगा और अगर टूर्नामेंट का आयोजन बाद में किया जाता है तो पहलवानों का पूरा एक साल बर्बाद हो जाएगा।''

भारत ने एकमात्र टेस्ट आठ विकेट से जीता

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम को पहली बार टेस्ट में हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के 28 साल में टेस्ट क्रिकेट के पहले 'घरेलू सत्र' का शानदार अंत हुआ जब मेजबान टीम ने रविवार को यहां एकमात्र टेस्ट में आठ विकेट की जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को पहली बार टेस्ट मैच में शिकस्त दी।

मैच के अंतिम दिन भारत ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय गेंदबाजों ने सुबह 28 रन देकर ऑस्ट्रेलिया के पांच विकेट चटकाए जिससे मेहमान टीम दूसरी पारी में 261 रन पर सिमट गई।

भारत को 75 रन का लक्ष्य मिला जो उसने 19वें ओवर में दो विकेट पर 75 रन बनाकर हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना 38 रन बनाकर नाबाद रहीं। जेमिमा रोड्रिग्स भी 12 रन बनाकर नाबाद रहीं।

भारतीय महिला टीम 1995 के बाद पहली बार किसी सत्र में घरेलू सरजमीं पर एक से अधिक टेस्ट खेल रही थी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पूरे मैच के दौरान टीम दबदबा बनाने में सफल रही।

भारत ने इससे पहले डीवाई पाटिल स्टेडियम में इंग्लैंड की महिला टीम को भी एकमात्र टेस्ट में 347 रन के बड़े अंतर से हराया था। यह टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 टेस्ट में यह भारत की पहली जीत है।

भारतीय महिला टीम ने अब तक 40 टेस्ट में सात जीत दर्ज की है जबकि छह मैच गंवाए है। टीम के 27 मैच ड्रॉ रहे हैं।

पिछले हफ्ते इंग्लैंड के खिलाफ जीत के दौरान जहां जेमिमा, शुभा सतीश और रेणुका सिंह ठाकुर जैसे नए टेस्ट सितारे उभरे तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 साल की रिचा घोष ने पदार्पण करते हुए 52 रन की पारी खेली।

चौथे दिन की सुबह भारतीय स्पिनरों का दबदबा रहा। स्नेह राणा (63 रन पर चार विकेट) और राजेश्वरी गायकवाड़ (42 रन पर दो विकेट) ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को समेटने में अधिक समय नहीं लगाया। ऑस्ट्रेलिया की नजरें अपनी 46 रन की बढ़त को मजबूत करने पर टिकी थी लेकिन पहले सत्र में 45 मिनट के भीतर ही उसने अपने बाकी बचे पांच विकेट गंवा दिए। पूजा वस्त्राकर (40 रन पर एक विकेट) ने ऐशलेग गार्डनर (07) को पगबाधा करके भारत को दिन की पहली सफलता दिलाई।

सुविचार

अपनी बात इतनी मधुर रखो, कि अगर खुद भी वापस लेनी पड़े तो कड़वी ना लगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'नापाक' नेटवर्क नष्ट करें

जम्मू-कश्मीर में सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर किए गए आतंकवादी हमले में पांच सैनिकों का वीरगति को प्राप्त होना देश के लिए बड़ी क्षति है। वहीं, बारामूला जिले में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी की अजान देते समय गोली मारकर हत्या की घटना भी अत्यंत दु:खद है। ये दोनों घटनाएं बताती हैं कि आतंकवादी किस कदर बौखला गए हैं! ये मानवता के शत्रु हैं, जिन्हें जम्मू-कश्मीर की शांति बर्दाश्त नहीं हो रही है। इन हत्याओं के पीछे जो लोग हैं, उनका कृत्य अत्यंत निंदनीय है। ये हर उस व्यक्ति के शत्रु हैं, जो देश की एकता, सुरक्षा और आध्यात्मिकता में विश्वास करता है। इन हत्यारों को अपने कृत्य का कठोर दंड मिलना चाहिए। सुरक्षा बल बहुत तेजी से उनकी तलाश कर रहे हैं। लिहाजा उम्मीद है कि देर-सबेर अपराधी जरूर पकड़े जाएंगे। ये आतंकवादी घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं, जब हाल में उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 370 हटाए जाने के संबंध में अपना फैसला सुनाया है। जम्मू-कश्मीर में देश-विदेश से खूब पर्यटक आ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि इस साल कश्मीर में लगभग दो करोड़ पर्यटक आए हैं। यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। इससे पता चलता है कि घाटी में हालात तेजी से बेहतर हुए हैं। आतंकवादियों को यह प्रगति नहीं सुहा रही है। वे अपनी हरकतों से दिखाना चाहते हैं कि कश्मीर में शांति कायम नहीं हुई है। वे चाहते हैं कि कश्मीर में पर्यटक न आएं, रोजगार के नए अवसर पैदा न हों, आम लोगों को सुविधाएं न मिलें।

आतंकवादियों को सुरक्षा बलों के वाहनों की आवाजाही की सूचना देने और हमले के लिए हथियार मुहैया कराने के पीछे नेटवर्क होता है। इस समूचे 'नापाक' नेटवर्क को नष्ट करते हुए आतंकवादियों को दंडित कर कड़ा संदेश देना ही होगा।

ये आतंकवादी और इनके आका केंद्रीय सुरक्षा बलों व जम्मू-कश्मीर पुलिस के तो शत्रु हैं ही, कश्मीरियों के भी शत्रु हैं। ये जिस कथित आज़ादी के लिए वर्षों से उपद्रव मचा रहे हैं, वह असल में बर्बादी है। जम्मू-कश्मीर के सुरक्षित व उज्ज्वल भविष्य के लिए इन आतंकवादियों का खात्मा जरूरी है। साथ ही उन पर भी सख्ती की जानी चाहिए, जो विभिन्न तरीकों से इनकी हिमायत के लिए खड़े हो जाते हैं। जम्मू-कश्मीर को धरती की जन्नत यूं ही नहीं कहा गया है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इस क्षेत्र का सनातन संस्कृति से गहरा संबंध है। यहां सनातन धर्म के बड़े-बड़े ऋषियों ने तपस्या की थी। यहां ज्ञान-विज्ञान के उत्कृष्ट ग्रंथों की रचना हुई थी। यहां सदियों पुराने मंदिरों, उनमें विराजमान प्रतिमाओं का इतिहास जाने बिना देश का इतिहास अधूरा है। यहां अनेक कलाओं का जन्म हुआ था। इस क्षेत्र पर आक्रांताओं की कुदृष्टि रही है। पाकिस्तान इसे छल, बल और आतंकवाद से हड़पना चाहता है। उसने एक हिस्से (पीओके) पर तो अवैध कब्जा कर रखा है। हाल के वर्षों में भारत ने आतंकवाद के प्रति अपना रुख बहुत सख्त किया है, जिससे बड़ी संख्या में आतंकवादी ढेर हुए हैं। इससे आतंकवाद संबंधी घटनाओं में बहुत कमी आई है, लेकिन सुरक्षा बलों के वाहनों पर घात लगाकर हमले की कोशिशें हो रही हैं। बलों की सावधानी के बावजूद कभी-कभी आतंकवादी अपने मंसूबों में कामयाब हो जाते हैं। पुलवामा हमला भी ऐसी ही एक आतंकवादी घटना थी। आतंकवादियों को सुरक्षा बलों के वाहनों की आवाजाही की सूचना देने और हमले के लिए हथियार मुहैया कराने के पीछे नेटवर्क होता है। इस समूचे 'नापाक' नेटवर्क को नष्ट करते हुए आतंकवादियों को दंडित कर कड़ा संदेश देना ही होगा।

ट्वीटर टॉक

राजपूताना ऑफिसर्स क्लब, जयपुर द्वारा आयोजित क्षत्रिय प्रतिभा सम्मान समारोह में युवा प्रतिभाओं को सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया। युवा देश का भविष्य हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि इनका आत्मविश्वास राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

-राज्यवर्धनसिंह राठौड़

पोकरण के सांकड़ा पंचायत समिति भवन में अधिकारियों की बैठक लेकर मोदी सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों के क्रियान्वयन पर जानकारी ली। उन्हें नई राज्य सरकार के कार्यों को भी तय समय पर पूरा करने कहा। बैठक में जनप्रतिनिधियों से भी रायशुमारी की।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के सन एंड मून टावर एवं, बेनाड़ रोड में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में सम्मिलित होकर जनता-जनार्दन को 'मोदी जी की गारंटी' से जोड़कर विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिये प्रेरित किया।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

देशभक्तों की खुराक

अंडमान के क्रांतिकारी कैदी त्रैलोक्य नाथ चक्रवर्ती ने अपनी 'जेलों में तीस साल' नामक पुस्तक में पंजाबी सिखों की तगड़ी काया और उनकी खुराक के बारे में एक रोचक और मानवीय प्रसंग लिखा है। सेल्युलर जेल में सबसे ज्यादा संख्या पंजाब के ऐसे गबरुओं की थी, जिनमें से प्रत्येक का वजन दो सौ अथवा ढाई सौ पौण्ड से ज्यादा था। जेल में मिलने वाले भोजन से उनका पेट नहीं भरता था। उन लोगों के लिए ही वह खुराक कम पड़ती थी। जेल में आने के बाद उन सबका वजन चालीस से पचास पौण्ड तक घट गया था। लोग भाई ज्वालासिंह को 'भाई डोल' और शेरसिंह को 'भाई हाथी' कहकर पुकारते थे। एक दिन अस्पताल में डॉक्टर ने शेरसिंह को एक बाल्टी दूध देकर पूछा, 'क्या तुम इसे पी सकते हो?' बाल्टी में दस सेर दूध था। शेरसिंह उसे फौरन पी गए। डॉक्टर यह देख हतप्रभ रह गया। इन्हीं शेरसिंह ने एक दिन एक सेर सरसों का कच्चा तेल पीकर हजम कर लिया था। हुआ यों कि फणि बाबू ने तम्बाकू के दो पत्ते चबाकर मुझे कहा कि, 'कहीं से एक सेर तेल प्राप्त करो।' मैंने इसके लिए कोल्हूघर के किसी कैदी से तेल का बंदोबस्त किया, पर तेल लाते समय जेलर टिण्डेल ने मुझे माल सहित पकड़ लिया। इतने में वहां संयोग से शेरसिंह आ गए।

सामयिक

वाजपेयी के अधूरे सपनों को पूरा कर रहे है मोदी

अशोक भाटिया

मो.:9221232130

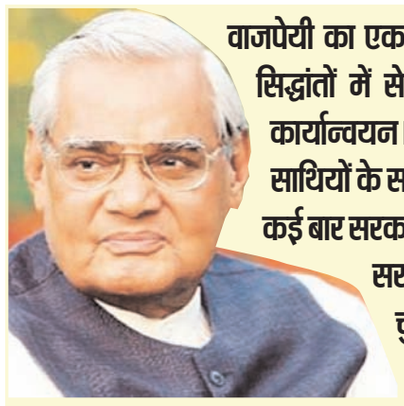

वाजपेयी का एक और सपना अभी तक अधूरा सपना भारतीय संविधान के निदेशक सिद्धांतों में से एक है, यानी पूरे देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का कार्यान्वयन। बीजेएस के दिनों से ही, वाजपेयी अपनी पार्टी के अन्य सहयोगियों और साथियों के साथ इस मुद्दे की वकालत करते रहे हैं। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी कई बार सरकार से इस दिशा में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने को कहा है। अब भारत सरकार को आखिरी फैसला लेना है। अगले छह महीनों के एजेंडे में आम चुनाव के साथ, यह माना जाता है कि यूसीसी का कार्यान्वयन अगली सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम बनेगा।

अटल बिहारी वाजपेयी जिनका आज जन्म दिन है आजाद भारत में पैदा हुए पांच शानदार नेताओं में से एक थे। इन सभी पाँच नेताओं का देश की जनता पर गहरा और लगभग पूर्ण प्रभाव था। उनका कद, शैली, मानक और बोलबाला अद्वितीय और अभूतपूर्व था/हैं। ये पांच नेता थे/हैं महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और नरेंद्र मोदी। जबकि पहले तीन राष्ट्रीय नेता विचारधारा की एक धारा का प्रतिनिधित्व करते थे, बाद के दो विचारधारा की बिल्कुल अलग धारा का प्रतिनिधित्व/प्रतिनिधित्व करते थे, जो पहले से बिल्कुल अलग है।इन्ही में से एक अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने राष्ट्र के प्रति सेवा काल में बहुत ही उत्कृष्ट काम किए जिन्हें विरोधी दल पचा नहीं पा रहे थे । उन्हें लगता था कि यदि अटल बिहारी वाजपेयी इसी प्रकार आगे बढ़ते रहे तो लोग उन्हें (विपक्षी दलों) को भूल जाएंगे । परन्तु वाजपेयी ने अपनी विचारधारा का लगातार अनुसरण करते रहे लेकिन भारत में तत्कालीन चुनावी राजनीति की मजबूरियों ने उन्हें गठबंधन की राजनीति का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस कला में दोनों स्थितियों में महारत हासिल की, जब वे विपक्ष में थे और तब भी जब वे सत्ता पक्ष में थे। राजनीति और सार्वजनिक जीवन में अपने लंबे अनुभव से, उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं, दूसरी पीढ़ी के नेतृत्व और करीबी अनुयायियों के लिए सीखने के लिए कई सबक छोड़े। समय की विडम्बना थी कि जब 1996 में प्रधान मंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान जब उन्हें लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा तो उनकी सरकार केवल एक वोट से गिर गई । उस समय उन्होंने लोकसभा में अपने शानदार भाषण में कहा था कि सरकारें आएंगी और जाएंगी, नेता आएंगे और जाएंगे, लेकिन यह देश सहना होगा, टिकना होगा.....अगर आप (विपक्ष) हमें हटाकर सरकार बनाना चाहते हैं, तो बना सकते हैं, लेकिन मुझे उम्मीद नहीं है कि यह टिकेगी।भाजपा ऐसी पार्टी नहीं है एक कुकुरमुत्ते की तरह उग आया है, इसने जनता के बीच अपनी जगह बनाने के लिए चालीस साल तक काम किया है ..... आज आप (विपक्ष) हम पर हंस रहे हैं क्योंकि हमारे पास सीटें कम हैं, लेकिन एक दिन पूरा देश ऐसा करेगा आप पर हंसें। हम जरूरी संख्या के साथ वापस आएंगे और जो मिशन हमने अपने हाथ में लिया है, उसका पालन करते रहेंगे।

उन्होंने अपने मिशन को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए संख्याओं के महत्व को रेखांकित किया। संसद में भाजपा के लिए पूर्ण संख्या प्राप्त करने का उनका सपना उनके ऐतिहासिक भाषण के 18 साल बाद 2014 में उनके सबसे करीबी शिष्यों में से एक नरेंद्र मोदी के भाषण के बाद साकार हुआ। 1996 के बाद, वाजपेयी दो बार भारत के प्रधान मंत्री चुने गए लेकिन दोनों समय; उन्हें गठबंधन सरकार बनानी पड़ी क्योंकि दोनों बार भाजपा केवल 182 सीटें जीत सकी, जो आवश्यक बहुमत से नब्बे एक कम थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने 2014 के साथ-साथ 2019 में भी पूर्ण बहुमत हासिल किया और दोनों बार कांग्रेस को सिर्फ 50 सीटों के आसपास ही समेट दिया। वाजपेयी की बातें सच हुईं और उनका सपना भी साकार हुआ कि भाजपा एक दिन पूरे बहुमत के साथ वापस आएगी। भाजपा को पूर्ण बहुमत दिलाने में प्रधानमंत्री मोदी की असाधारण उपलब्धि की भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने संसद के केंद्रीय कक्ष में भाजपा की पहली संसदीय दल की बैठक में सराहना की, जो लोकसभा में पार्टी के नेता का चुनाव करने के लिए बुलाई गई थी मई 2014 में।

अब भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले चौदह वर्षों के दौरान उनके प्रमुख सपनों को साकार करने में निरंतर कार्य कर रहे है । इन सपनों का अपने गहरे संगठनात्मक, वैचारिक और राजनीतिक निहितार्थों को ध्यान में रखते हुए न केवल भाजपा (पहले भारतीय जनसंघ) के लिए बल्कि पूरे देश के लिए बहुत महत्व था । वाजपेयी ने कई अवसरों पर अपनी कुछ प्रसिद्ध अभिव्यक्तियों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की और आशा व्यक्त की कि सपने एक दिन सच होंगे, भले ही वे उनके जीवनकाल में साकार न हो सकें। उन्होंने उनके बारे में बात करने का कोई मौका नहीं छोड़ा और अपने कार्यकर्ताओं और लोगों दोनों को उन आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रेरित किया, जिन्होंने उनके जीवन को प्रेरित किया और उन्हें पूरा करने की दिशा में काम किया। प्रधान मंत्री के रूप में वाजपेयी की तीसरी पारी के दौरान, उन्होंने (वाजपेयी) 2001 के पहले सप्ताह में अपने प्रवास के दौरान, केरल में समुद्र के आकार की वेम्बनाड झील के पिछले पानी पर कुमारकोम से अपनी प्रसिद्ध न्युसिंग लिखी थी। उन्होंने एक के बाद एक दो लेख लिखे। उसी स्थान से अन्य जिन्हें भारत के लगभग सभी प्रमुख समाचार पत्रों द्वारा प्रकाशित किया गया था। उन्होंने उन्हें अतीत की समस्याओं को हल करने का समय, बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ने का समय शीर्षक दिया।

अटल जी ने लिखा, हमारा देश कई समस्याओं का सामना कर रहा है जो हमारे इतिहास की विरासत हैं। मैं उनमें से दो पर अपने विचार साझा करना चाहता हूं। एक जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के साथ लंबे समय से चली आ रही समस्या है और दूसरा अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद है। उन्होंने आगे कहा था कि हालांकि, मुझे यह जानकर दुख हुआ कि पाकिस्तान सरकार अपनी धरती पर स्थित आतंकवादी संगठनों पर लगाम लगाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है, जो कश्मीर और अन्य हिस्सों में निर्दोष नागरिकों और हमारे सुरक्षा कर्मियों दोनों को निशाना बनाकर हत्या का सिलसिला जारी रखे हुए हैं। मैं उन कश्मीरियों के दर्द और पीड़ा को भी महसूस करता हूं जो अपनी ही मातृभूमि में शरणार्थी बन गए हैं। कश्मीर समस्या के बाहरी और आंतरिक दोनों आयामों के स्थायी समाधान की हमारी खोज में, हम केवल अतीत की घिसी-पिटी राह पर नहीं चलेंगे। बल्कि, हम पूरे दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए शांति और समृद्धि की भविष्य की वास्तुकला के साहसी और नवोन्मेषी डिजाइनर होंगे। और तदनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने अपनी सरकार और भारत की संसद को ऐतिहासिक शांति और समृद्धि के भविष्य की वास्तुकला के डिजाइनर बनने का नेतृत्व किया, जब उन्होंने 5-6 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करने का संकल्प पारित कराया और जम्मू-कश्मीर के संबंध में राजनीतिक द्वंद्व समाप्त हो गया। यह निश्चित रूप से अतीत की घिसी-पिटी राह से एक कदम दूर था। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 11 दिसंबर 2023 को भारतीय संविधान की दृष्टि से संसदीय कार्रवाई को मान्य कर दिया और इस प्रकार संवैधानिक द्वंद्व को भी हमेशा के लिए समाप्त कर दिया।

अयोध्या मुद्दे के संबंध में, वाजपेयी ने कहा था की मैंने हमेशा माना है कि इस विवादास्पद मुद्दे को हल करने के दो तरीके हैं: न्यायिक मार्ग या पारस्परिक रूप से स्वीकार्य स्थिति के लिए बातचीत का मार्ग मैंने कहा है कि सरकार न्यायपालिका के फैसले को स्वीकार करेगी और लागू करने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है, चाहे वह कुछ भी हो। लेकिन यह गैर-सरकारी और गैर-राजनीतिक ढांचे में बातचीत की आवश्यकता को समाप्त नहीं करता है। न्यायिक मार्ग और बातचीत का विकल्प एक-दूसरे को बाहर नहीं करते, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने भारतीय लोकाचार का खूबसूरती से वर्णन किया था कि भारत अपने सभी नागरिकों और समुदायों का समान रूप से है, न किसी का ज्यादा और न किसी का कम। साथ ही, हमारी राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करना और देश की प्रगति में योगदान देना सभी नागरिकों और समुदायों का समान कर्तव्य है। हाल के दिनों में, अपने अधिकारों पर कम और अपने कर्तव्यों पर कम ध्यान देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसे बदलना होगा। अपने लंबे इतिहास में, भारत की एकता धर्मनिरपेक्षता के लोकाचार से पोषित हुई है जो उसके सभी लोगों को न केवल एक-दूसरे के रीति-रिवाजों, परंपराओं और मान्यताओं को सहन करना सिखाता है, बल्कि उनका सम्मान भी करता है।

आपसी सहिष्णुता और समझ से सद्भावना और सहयोग बढ़ता है, जो बदले में हमारी राष्ट्रीय एकता के रेशमी बंधन को मजबूत करता है। धर्मनिरपेक्षता कोई विदेशी अवधारणा नहीं है जिसे हमने आज़ादी के बाद मजबूरी में आयात किया हो। बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय संस्कृति और लोकाचार की एक अभिन्न और प्राकृतिक विशेषता है। 22 जनवरी 2024 को, वाजपेयी का एक और सपना भी पूरी तरह से साकार हो जाएगा जब अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इस अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं और प्रतिष्ठित लोगों के अलावा 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के उपस्थित रहने की उम्मीद है। इस सपने के साकार होने के साथ ही अब वाजपेयी का चौथा सपना फोकस में होगा। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उचित समय और स्थान की जरूरत है। वाजपेयी का एक और सपना अभी तक अधूरा सपना भारतीय संविधान के निदेशक सिद्धांतों में से एक है, यानी पूरे देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का कार्यान्वयन।

बीजेएस के दिनों से ही, वाजपेयी अपनी पार्टी के अन्य सहयोगियों और साथियों के साथ इस मुद्दे की वकालत करते रहे हैं। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी कई बार सरकार से इस दिशा में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने को कहा है। अब भारत सरकार को आखिरी फैसला लेना है। अगले छह महीनों के एजेंडे में आम चुनाव के साथ, यह माना जाता है कि यूसीसी का कार्यान्वयन अगली सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम बनेगा। वाजपेयी के पोषित सपने को साकार करने के लिए, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि मई 2024 के आम चुनावों के बाद प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अच्छी स्थिति में हों। देश के मौजूदा मूड को ध्यान में रखते हुए दीवार पर लिखी इबारत कोई भी देख सकता है। इस संदर्भ में वेट एंड वॉच का खेल अभी शुरू हुआ है।

विशेष

क्रिसमस का इतिहास और महत्व

योगेश कुमार गोयल

मो.:9034304041

प्रतिवर्ष 25 दिसम्बर को विश्वभर में मनाया जाने 'क्रिसमस' पर्व ईसाई समुदाय का सबसे बड़ा त्यौहार है और संभवतः सभी त्यौहारों में क्रिसमस ही एकमात्र ऐसा पर्व है, जो एक ही दिन दुनियाभर के हर कोने में उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है। क्रिसमस पर्व वास्तव में धार्मिक मायनों में केवल एक महत्वपूर्ण त्यौहार ही नहीं है बल्कि इसका एक सांस्कृतिक नजरिया भी है। यह पर्व केवल एक दिन का उत्सव नहीं है बल्कि यह पूरे 12 दिन का पर्व है, जो क्रिसमस की पूर्व संध्या से शुरू हो जाता है। हिन्दुओं में जो महत्व दीवाली का है, मुस्लिमों में जितना महत्व ईद का है, वही महत्व ईसाईयों में क्रिसमस का है। जिस प्रकार हिन्दुओं में दीवाली पर अपने घरों को सजाने की परम्परा है, उसी प्रकार ईसाई समुदाय के लोग क्रिसमस के अवसर पर अपने घरों को सजाते हैं। इस अवसर पर शंकु आकार के विशेष प्रकार के वृक्ष 'क्रिसमस ट्री' को सजाने की तो विशेष महत्ता होती है, जिसे रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है।

मान्यता है कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व 25 दिसम्बर को ईसा मसीह ने समस्त मानव जाति का कल्याण करने के लिए पृथ्वी पर जन्म लिया था। तब पूरे रोम में धार्मिक आडम्बर चारों ओर फैले थे, रोम शासक यहूदियों पर अत्याचार करते थे, धनाढ्य वर्ग विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत करता था जबकि गरीबों की हालत अत्यंत दयनीय थी। चारों ओर अशांति फैली थी, भाई-भाई का शत्रु बन गया था, धर्मस्थलों के पादरी अथवा पुजारी स्वार्थसिद्धि में लिप्त थे, छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, ऊंच-नीच के बीच भेदभाव की गहरी खाई बन चुकी थी। ऐसे विकट समय में पृथ्वी पर जन्म लिया था यीशु (ईसा मसीह) ने। ईसाई धर्म के लोग मानते हैं कि ईसा के जन्म के साथ ही समूचे विश्व में एक नए युग का शुभारंभ हुआ था, यही कारण है कि हजारों वर्ष बाद भी उनके प्रति लोगों का वही उत्साह, वही श्रद्धा बरकरार है और 25 दिसम्बर की मध्य रात्रि को गिरिजाघरों के घड़ियाल बजते ही 'हैप्पी क्रिसमस' के उद्घोष के साथ जनसैलाब उमड़ पड़ता है, लोग एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देते हैं और आतिशबाजी भी करते हैं। इस अवसर पर लोग गिरिजाघरों के अलावा अपने घरों में भी खुशी और उल्लास से ऐसे गीत गाते हैं, जिनमें ईसा मसीह द्वारा दिए गए शांति, प्रेम एवं भाईचारे के संदेश की महत्ता स्पष्ट परिलक्षित होती है।

हालांकि इस बात का कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिलता कि क्रिसमस का त्यौहार मनाने की परम्परा कब, कैसे और कहां से शुरू हुई थी लेकिन माना जाता है कि यह पर्व मनाने की शुरूआत रोमन सभ्यता के समय ईसा मसीह के शिष्यों ने ही की होगी। जिन ईसा मसीह की स्मृति में लोग क्रिसमस का त्यौहार मनाते हैं, उनका जन्म अत्यंत विकट परिस्थितियों में हुआ था। दिसम्बर के महीने की हाड़ कंपा देने वाली कड़ाके की ठंड में इसराइल के येरूसलम से 8 किलोमीटर दूर बेथलेहम नामक एक छोटे से गांव में आधी रात के वक्त खुले आसमान तले एक अस्तबल में एक गरीब यहूदी यूसुफ की पत्नी मरियम की कोख से जन्मे थे यीशु, जिनके जन्म की सूचना सबसे पहले हेरोद जैसे क्रूर सम्राट को नहीं बल्कि गरीब चरवाहों को मिली थी। माना जाता है कि ये चरवाहे उसी क्षेत्र में अपनी भेड़ों के झुंड के साथ रहा करते थे और जिस रात ईसा ने धरती पर जन्म लिया, उस समय ये लोग खेतों में भेड़ों के झुंड की रखवाली करते हुए आग ताप रहे थे। कहा जाता है कि मरियम जब गर्भवती थी तो एक रात गैबरियल नामक एक देवदूत मरियम के सामने प्रकट हुआ, जिसने मरियम को बताया कि उन्हें ईश्वर के बेटे की मां बनने के लिए चुना गया है। उन दिनों जनगणना का कार्य चल रहा था और तब यह प्रथा थी कि जनगणना के समय पूरा परिवार अपने पूर्वजों के नगर में एकत्रित होता था और वहीं परिवार के सभी सदस्यों का नाम रजिस्टर में दर्ज कराता था।

यूसुफ दाऊद के कुटुम्ब तथा देश का था, इसलिए गर्भवती मरियम को साथ लेकर वह भी नाम लिखवाने अपने पूर्वजों की भूमि बेथलेहम पहुंचा। जनगणना की वजह से बेथलेहम में उस समय बहुत भीड़ थी। वहां पहुंचकर युसूफ ने एक सराय के मालिक से रुकने के लिए जगह मांगी लेकिन सराय में बहुत भीड़ होने के कारण उन्हें जगह नहीं मिली। मरियम को गर्भवती देख सराय के मालिक को उस पर दया आई और उसने उन्हें घोड़ों के अस्तबल में ठहरा दिया। वहीं आधी रात के समय मरियम ने एक अति तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसका 7 दिन बाद नामकरण संस्कार हुआ। बालक का नाम रखा गया 'जीजस', जिसे यीशु के नाम से भी जाना गया। यहूदियों के इस देश में उस समय रोमन सम्राट हेरोद का शासन था, जो बहुत पापी और अत्याचारी था। हेरोद को जीजस के जन्म की सूचना मिली तो वह बहुत घबराया क्योंकि भविष्यवक्ताओं ने भविष्यवाणी की थी कि यहूदियों का राजा इसी वर्ष पैदा होगा और उसके बाद हेरोद राजा नहीं रह सकेगा। हेरोद ने जीजस की खोज में अपने सैनिकों की टुकड़ियां भेजी लेकिन वे जीजस के बारे में कुछ पता नहीं लगा सके।

घोर गरीबी के कारण जीजस की पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था तो नहीं हो पाई पर उन्हें बाल्यकाल से ही ज्ञान प्राप्त था। गरीबों, दुखियों व रोगियों की सेवा करना उन्हें बहुत अच्छा लगता था। इतना ही नहीं, बड़े-बड़े धार्मिक नेता भी उनके सवाल-जवाबों से अक्सर चकित हो जाते थे। उन दिनों लोग मूर्तिपूजा किया करते थे और सर्वत्र धर्म के नाम पर आडम्बर फैला था। यीशु ने मूर्तिपूजा के स्थान पर एक निराकार ईश्वर की पूजा का मार्ग लोगों को बताया और उन्हें अपने हृदय में आविर्भूत ईश्वरीय ज्ञान का संदेश सुनाया। उनके उपदेशों से प्रभावित होकर उनके शिष्यों की संख्या दिनोंदिन बढ़ने लगी तथा उनकी दयालुता और परोपकारिता की प्रशंसा सर्वत्र फैल गई, जिससे यहूदियों के पुजारी और धर्म गुरू उनके घोर शत्रु बन गए।

एक बार यीशु प्रार्थना कर रहे थे तो उन्हें अपना शत्रु मान चुके यहूदियों के पुजारी व धर्मगुरू उनको पकड़कर ले गए। जब उन्हें न्यायालय में उपस्थित किया गया तो न्यायाधीश ने राजा और धर्मगुरूओं के दबाव में यीशु को प्राणदंड की सजा सुना दी। यहूदियों ने यीशु को कांटों का ताज पहनाया और फटे कपड़े पहनाकर कोड़े मारते हुए उन्हें पूरे नगर में घुमाया। फिर उनके हाथ-पांवों में कीलें ठोंककर उन्हें 'क्रॉस' पर लटका दिया गया लेकिन यह यीशु की महानता ही थी कि इतनी भीषण यातनाएं झेलने के बाद भी उन्होंने ईश्वर से उन लोगों के लिए क्षमायाचना ही की। सूली पर लटके हुए भी उनके मुंह से यही शब्द निकले, ''हे ईश्वर! इन लोगों को माफ करना क्योंकि इन्हें नहीं पता कि ये क्या कर रहे हैं? ये अज्ञानवश ही ऐसा कर रहे हैं।'' उसके बाद से ही ईसाई समुदाय द्वारा 25 दिसम्बर अर्थात ईसा मसीह के जन्मदिवस को क्रिसमस के रूप में मनाया जाने लगा। वास्तव में ईसा मसीह का जन्म ही धर्म और मानवता की स्थापना करने तथा पृथ्वी समस्त मानव जाति को दुख और अंधकार से बचाने के लिए हुआ था।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

नौसेना ने भारत के पश्चिमी तट पर वाणिज्यिक जहाज पर हमले की जांच शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में भारत के पश्चिमी तट के पास मंगलूर बंदरगाह जाने वाले एक मालवाहक जहाज पर संदिग्ध ड्रोन हमले की जांच शुरू कर दी है। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि वाणिज्यिक जहाज मुंबई की ओर जा रहा है।

'यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस' (यूकेएमटीओ) द्वारा एमवी केम प्लूटो पर ड्रोन हमले की सूचना दिए जाने के तुरंत बाद नौसेना और भारतीय तटरक्षक शनिवार को एक युद्धपोत और समुद्री गश्ती विमान सहित अपने संसाधन तैनात करके कार्रवाई में जुट गए। वाणिज्यिक जहाज में मौजूद चालक दल में लगभग 20 भारतीय सदस्य थे। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि लाइबेरिया का ध्वज वाला जहाज अब मुंबई की ओर जा रहा है और भारतीय तटरक्षक जहाज आईसीजीएस विक्रम उसे सुरक्षा प्रदान कर रहा है।

एक अधिकारी ने मामले की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए नाम न छापने की शर्त पर बताया कि नौसेना ने हमले की प्रकृति सहित घटना की जांच शुरू कर दी है। एक अन्य अधिकारी ने कहा, सऊदी अरब के अल जुबैल बंदरगाह से नव मंगलूर बंदरगाह के लिए कच्चा तेल ले जा रहा जहाज पोरबंदर से लगभग 217 समुद्री मील की दूरी पर इस हमले का शिकार हो गया।

अधिकारियों ने कहा कि नौसेना ने शनिवार को ड्रोन हमले के स्थान पर 'स्टील्थ गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक' आईएनएस मोरमुगाओ को भेजा और अधिकारियों ने कहा कि युद्धपोत हमले से संबंधित विभिन्न विवरणों की जांच करने की प्रक्रिया में है।

यह घटना इजराइल-हमास संघर्ष के बीच ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में जहाजों पर हमले तेज करने की पृष्ठभूमि में हुई है।

कल देर रात, भारतीय तट रक्षक ने कहा कि वाणिज्यिक पोत 'केम प्लूटो' ने अपनी बिजली उत्पादन प्रणालियों पर क्षति का आकलन और मरम्मत करने के लिए मुंबई तट की ओर बढ़ना शुरू कर दिया है। उसने कहा, तटरक्षक डोर्नियर विमान ने क्षेत्र का निरीक्षण कर और केम प्लूटो के साथ संचार स्थापित कर लिया है। जहाज ने नुकसान का आकलन करने और अपनी बिजली उत्पादन प्रणालियों की मरम्मत करने के बाद मुंबई की ओर जाना शुरू कर दिया है। इसमें कहा गया है, जहाज के मुंबई में प्रवेश करने की संभावना है और स्टीयरिंग संबंधी समस्याओं के कारण उसने सहायता मांगी है। भारतीय तटरक्षक जहाज विक्रम पोत के गुजरने के दौरान उसकी सुरक्षा करेगा। भारतीय तटरक्षक संचालन केंद्र स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है।

जश्न

रविवार को हैदराबाद के अट्टापुर में आईसीबीएम-स्कूल ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस में 'आईसीबीएम-स्कूल ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस' के 16वें दीक्षांत समारोह में छात्र जश्न मनाते हुए।

फ्रांस में रोके गए विमान के 303 यात्रियों की हिरासत अवधि बढ़ाने पर फैसला करेंगे न्यायाधीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस। मानव तस्करी के संदेह में फ्रांस के अधिकारियों ने जिस विमान को रोक रखा है उसके 303 यात्री रविवार को हवाई अड्डे पर न्यायाधीश के समक्ष पेश होंगे, जिससे यात्रियों को और अधिक समय तक हिरासत में रखने के संबंध में फैसला हो सकेगा। यात्रियों में अधिकतर भारतीय हैं।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई से 303 यात्रियों को लेकर निकारागुआ के लिए उड़ान भरने वाले विमान को ''मानव तस्करी'' के संदेह में बृहस्पतिवार को मार्ने स्थित चालोन्स-वैट्री हवाई अड्डे पर रोक लिया गया था। फ्रांसीसी समाचार प्रसारण टेलीविजन और रेडियो नेटवर्क 'बीएफएम टीवी' ने बताया कि उड़ान के यात्रियों को हवाई अड्डे के प्रतीक्षा क्षेत्र में रखा जाए या नहीं, यह तय करने के लिए स्वतंत्रता और हिरासत मामलों के न्यायाधीश के समक्ष सुनवाई इस रविवार से शुरू होगी।

चालोन्स-एन-चैम्पेन के वकील और अध्यक्ष फ्रैंकोइस प्रोक्यूरर ने कहा, ''मुझे नहीं पता कि फ्रांस में ऐसा पहले हुआ है या नहीं।'' पेरिस से 150 किलोमीटर पूर्व में मार्ने स्थित वैट्री हवाई अड्डे पर अदालत कक्ष बनाए जाने की तैयारी की जा रही है। हवाई अड्डा ज्यादातर किफायती एयरलाइन को सेवा प्रदान करता है। विमान के 303 यात्रियों को इस रविवार सुबह नौ बजे से सोमवार तक न्यायाधीश के सामने उपस्थित होना होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कोई विदेशी नागरिक फ्रांस में उतरता है और उसे अपने इच्छित गंतव्य पर जाने से रोका जाता है, तो फ्रांसीसी सीमा पुलिस शुरू में चार दिन तक उसे रोककर रख सकती है।

फ्रांस का कानून इस अवधि को आठ दिन तक बढ़ाने की अनुमति देता है। अगर कोई न्यायाधीश इसे मंजूरी दे देता है तो असाधारण परिस्थितियों में आठ दिन और अधिकतम 26 दिन तक यात्री को रोककर रखा जा सकता है। फ्रैंकोइस ने कहा, ''यह अत्यावश्यक है क्योंकि हम विदेशियों को 96 घंटे से अधिक प्रतीक्षा क्षेत्र में नहीं रख सकते। इसके अलावा स्वतंत्रता और हिरासत मामलों के न्यायाधीश को उनके भाग्य पर फैसला करना है।'' भारतीय दूतावास ने शनिवार को कहा कि वह वर्तमान में वैट्री हवाई अड्डे पर भारतीयों की सलामती और स्थिति के शीघ्र समाधान के लिए फ्रांस सरकार के साथ काम करना जारी रखेगा। दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि दूतावास के राजनय-कर्मी हवाई अड्डे पर मौजूद हैं।

हवाई अड्डे के 'रिसेप्शन हॉल' को प्रांतीय प्रशासन ने विदेशियों के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र में बदल दिया है। टेलीविजन नेटवर्क ने बताया कि एक साथ चार सुनवाई आयोजित की जाएंगी, जिसमें चार न्यायाधीश, चार लिपिक, इतने ही दुभाषिए और कम से कम चार वकील होंगे। फ्रैंकोइस ने कहा, ''हम हर चीज से बहुत दूर वैट्री में हैं... हमें यहां से स्थानांतरित करने पर विचार किया जा सकता है, लेकिन इन सभी लोगों के पास अधिकार हैं। हम तेजी से काम कर रहे हैं... यह अभूतपूर्व है, हम सभी एकजुट हैं।'' यात्रियों में 11 नाबालिग भी हैं जिनके साथ कोई नहीं है और प्रसारक के अनुसार उनमें से छह पहले ही फ्रांस में शरण को लेकर अनुरोध के लिए कदम उठा चुके हैं।

समाचार नेटवर्क ने फ्रैंकोइस के हवाले से कहा, ''इन लोगों से पूछताछ करनी होगी और उन्हें बताया जाएगा कि वे राजनीतिक शरणार्थी स्थिति से लाभान्वित हो सकते हैं या नहीं।'' मार्ने के पूर्वोत्तर विभाग के प्रांतीय प्रशासक ने कहा कि रोमानियाई कंपनी लीजेंड एयरलाइंस द्वारा संचालित ए340 विमान बृहस्पतिवार को उतरने के बाद वैट्री हवाई अड्डे पर ही खड़ा रहा। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांतीय प्रशासक ने कहा कि विमान को ईंधन भरना था और इसमें 303 भारतीय नागरिक सवार थे जो संभवत: संयुक्त अरब अमीरात में काम करते थे।

नेता परिजनों को भ्रष्टाचार से दूर रखने के लिए सख्त नियम बनाएं : शी चिनफिंग

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ अधिकारियों को व्यक्तिगत ईमानदारी बनाए रखने, रिश्तेदारों को भ्रष्टाचार से दूर रखने के लिए सख्त नियम निर्धारित करने और ''विदेशी उदाहरणों'' का आंख बंद करके अनुसरण करने से बचने की चेतावनी दी है। चिनफिंग (70) ने 22 दिसंबर को हुई पार्टी की अहम बैठक में कहा,''सीपीसी (चीनी कम्युनिस्ट पार्टी) की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्यों को मार्क्सवादी राजनेताओं के मानकों के अनुसार खुद पर कठोर नियंत्रण लागू करना चाहिए, जिससे पूरी पार्टी के लिए व्यक्तिगत अखंडता और आत्म-अनुशासन बनाए रखने में एक उदाहरण स्थापित किया जा सके।'' इस बैठक का ब्यौरा रविवार को आधिकारिक मीडिया ने जारी किया। राष्ट्रपति ने कहा, ''जब भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रयासों की बात आती है तो उन्हें (नेताओं) अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और अपने निजी कर्मचारियों के लिए सख्त नियम बनाने चाहिए।'' पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग के बाद शी लगातार तीसरी बार सत्ता में बने रहने वाले एकमात्र चीनी नेता हैं। वर्ष 2012 में पार्टी का नेतृत्व संभालने के बाद से चिनफिंग भ्रष्टाचार विरोधी अभियान जारी रखे हुए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, तब से कई शीर्ष सैन्य जनरलों सहित दस लाख से अधिक अधिकारियों को दंडित किया गया है। चिनफिंग की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई आत्म-आलोचना बैठक में, प्रत्येक पोलित ब्यूरो सदस्य ने बारी-बारी से अपने काम के बारे में चर्चा की।

सलमान खान और विक्की कौशल ने ऊषा उत्थुप्प के छुए पैर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री में कई दफा देखने में आता है कि मौजूदा स्टार गुजरे जमाने के कलाकारों को मान-सम्मान नहीं देते। ऐसे में उनके प्रति गलत धारणा बन जाती है और कहा जाता है कि उगते सूरज को ही सलाम किया जाता है। हालांकि कभी-कभार इसके उलट भी देखने को मिलता है। यानी पुराने कलाकारों को पूरे आदर-सत्कार के साथ तवज्जो मिलती है और ऐसी घटनाएं संदेश देती हैं कि हमें अपने बड़े-बुजुर्गों को कभी भी नहीं भुलाना चाहिए।

अब सलमान खान और विक्की कौशल ने कुछ ऐसी ही मिसाल पेश की है। दरअसल इन दोनों सितारों का शनिवार (23 दिसंबर) की रात आयोजित उमंग अवार्ड 2023 इवेंट के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक में सलमान ने इवेंट से बाहर निकलते समय भीड़ में रुककर 70-80 के दशक की दिग्गज गायिका रहीं ऊषा उत्थुप को गले लगाया और उनसे बातचीत करते नजर आए। सलमान को ऊषा के स्वास्थ्य के बारे में पूछते देखा जा सकता है।

साथ ही इस इवेंट में पहुंचे विक्की ने भी ऊषा के पैर छूए। ये दोनों वीडियो देखकर दोनों सितारों को चाहने वाले खुशी से फूले नहीं समा रहे। वे उनके संस्कारों की तारीफ कर रहे हैं, जो उन्हें अपने माता-पिता से मिले हैं। दोनों सितारों के ड्रेस अप की बात करें तो सलमान ऑल ब्लैक आउटफिट में नजर आए, जबकि विक्की ने वाइट शर्ट, ग्रे पैंट और ब्लू ब्लेजर पहना था। उल्लेखनीय है कि 76 वर्षीय ऊषा बुलंद आवाज की धनी हैं और उन्होंने बॉलीवुड और बंगाली सिनेमा में कई पॉप सॉन्ग्स में अपनी प्रतिभा दिखाई है। लोग आज भी उनके गानों के दीवाने हैं।

इस इवेंट में रूमर्ड कपल अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर को भी एंट्री करते हुए देखा गया। उल्लेखनीय है कि दोनों का लंबे समय से अफेयर चल रहा है। दोनों कुछेक मौकों पर इशारों-इशारों में अपनी रिलेशनशिप को कबूल कर चुके हैं, लेकिन अभी तक खुलकर मोहब्बत का इजहार नहीं किया। इवेंट में कपल कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी चार चांद लगाए।

आज होगा 'डॉक्टर जी' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्म 'डॉक्टर जी' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 25 दिसंबर को जी सिनेमा पर होगा। अनुभूति कश्यप निर्देशित और जंगली पिक्चर्स निर्मित फिल्म 'डॉक्टर जी' में आयुष्मान खुराना, रकुल प्रीत सिंह और शेफाली शाह की अहम भूमिका है।इस फिल्म की कहानी डॉक्टर उदय गुप्ता के सफर के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसका किरदार आयुष्मान खुराना ने निभाया है। उदय का सपना होता है कि वह ऑर्थोपेडिक्स (हड्डी रोग विशेषज्ञ) में अपना करियर बनाए लेकिन उसे गायनेकोलॉजी (स्त्री रोग विशेषज्ञ) की दुनिया में उतरना पड़ता है।जब उदय अपनी इच्छा के खिलाफ गाइनेकोलॉजिस्ट बनता है तो उसे इस पेशे को स्वीकार करने और इसे अपनाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कहानी उस वक्त अजब मोड़ लेती है, जब उदय एक डॉक्टर के रूप में अपनी अहमियत समझता है, जहां वो नए दोस्त बनाता है और फिर वो अपने आप से मुलाकात करता है। क्रिसमस स्पेशल 'डॉक्टर जी', का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, 25 दिसंबर को रात 8 बजे ज़ी सिनेमा पर होगा।

डिज्नी हॉटस्टार पर रिलीज होगी '12वीं फेल'

मुंबई/भाषा

मशहूर निर्देशक विधु विनोद चोपड़ा की '12वीं फेल' का डिजिटल प्रीमियर 29 दिसंबर को ओटीटी मंच डिज्नी+हॉटस्टार पर होगा। विक्रांत मैसी और मेधा शंकर अभिनीत यह फिल्म 27 अक्टूबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। डिज्नी+हॉटस्टार ने शनिवार को अपने आधिकारिक 'एक्स' पृष्ठ पर फिल्म के प्रीमियर की तारीख की घोषणा की। ओटीटी मंच ने कहा,'अगर कोई फिल्म है जो वर्ष 2024 के शुरू होने से पहले आपको जरूर देखनी चाहिए तो वह है 12वीं फेल जो 29 दिसंबर को डिज्नी+हॉटस्टार पर उपलब्ध होगी।' फिल्म '12वीं फेल' अनुराग पाठक के सबसे अधिक बिकने वाले उपन्यास पर आधारित है जो आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और आईआरएस अधिकारी श्रद्धा जोशी की जीवन यात्रा को दर्शाती है। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब सराहा था और इसने 50 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

'द लीजेंड ऑफ हनुमान' सीजन 3 के ट्रेलर जारी

मुंबई/एजेन्सी

एनिमेटेड शो 'द लीजेंड ऑफ हनुमान' के तीसरे सीजन का ट्रेलर शुक्रवार को जारी किया गया। इसमें भगवान हनुमान और रावण के बीच महायुद्ध देखने को मिलेगा। 2 मिनट 24 सेकंड लंबे ट्रेलर की शुरुआत एक लड़ाई के बीच से होती है, जो यह दर्शाता है कि कैसे भगवान हनुमान और रावण के पास समान शक्ति है और केवल एक चीज जो उन्हें अलग करती है, वह है धार्मिकता।

इसमें दिखाया गया है कि जब भगवान हनुमान लंकेश से मुकाबला करते हैं तो उन्हें अपनी असली ताकत के बारे में पता चलता है। इसमें कुंभकर्ण को युद्ध के मैदान में उतरते हुए भी दिखाया गया है। शो के बारे में बात करते हुए, लंकेश की आवाज देने वाले शरद केलकर ने कहा, मैं हनुमान के पौराणिक कथाओं के बारे में सुनकर बड़ा हुआ हूं और अब रावण की कहानी का हिस्सा बनना अकल्पनीय रूप से अवास्तविक लगता है। मेरे बचपन पर इसके प्रभाव ने इस अवसर को और भी खास बना दिया। एक बच्चे के रूप में, मैं हमेशा रावण की अहंकार भरी हंसी की नकल करता था। यह सभी दर्शकों का ध्यान खींच लेगी।''

उन्होंने आगे कहा, ''मैं डब के दौरान बार-बार हंसने का अभ्यास करता था, इतना कि मैं अपने आस-पास मौजूद क्रू को चौंकाता था।

मैं डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर दर्शकों के लिए इस नए सीजन में अच्छाई बनाम बुराई की इस रोमांचक कहानी को देखने के लिए उत्साहित हूं क्योंकि वे पौराणिक कथाओं के इस नए अध्याय को उजागर करते हैं।'' ग्राफिक इंडिया द्वारा निर्मित और शरद देवराजन, जीवन जे. कांग और चारुवी अग्रवाल द्वारा निर्मित, 'द लीजेंड ऑफ हनुमान' सीजन-3 12 जनवरी, 2024 से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा।

श्रीमद रामायण में 'राजा दशरथ' की भूमिका निभाकर बेहद खुश हैं आरव चौधरी

मुंबई/वार्ता

जानेमाने अभिनेता आरव चौधरी सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले सीरियल श्रीमद रामायण में ' राजा दशरथ' की भूमिका निभाकर बेहद खुश है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन दर्शकों के लिए लेकर 'श्रीमद रामायण' लेकर आ रहा है, जिसका प्रीमियर 01 जनवरी, 2024 को होगा और यह हर सोमवार से शुक्रवार रात 09 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा। आरव चौधरी ने 'श्रीमद रामायण' में राजा दशरथ की भूमिका निभायी है। आरव चौधरी ने बताया,जब मुझे स्वास्तिक प्रोडक्शन ने श्रीमद रामायण में राजा दशरथ का किरदार निभाने के लिये अप्रोच किया तब मुझे लगा कि दशरथ की भूमिका में करने लायक कुछ नहीं होगा। मुझे महाभारत में भीष्म पितामह का किरदार निभाने का मौका मिला था। 'महाभारत' में शुरु के एपिसोड से लेकर अंतिम एपिसोड तक मेरी भूमिका रही है। उस हिसाब से देखा जाए तो दशरथ की भूमिका बहुत छोटी लग रही थी।

आरव चौधरी ने बताया,हम सभी लोग दशरथ के चरित्र से परिचित हैं और कैसे उन्हें श्री राम को वनवास भेजने के लिए मजबूर होना पड़ा था। जब मैंने श्रीमद रामायण की नैरेशन सुनी तो मुझे पता चला कि श्रीमद रामायण की शुरुआत ही राजा दशरथ के किरदार से होती है। फिर, उनका नाम दशरथ क्यों पड़ा और वह कितने बड़े योद्धा थे, कौन कौन सी लड़ाई उन्होंने लड़ीं? ये सब श्रीमद रामायण में दिखाया गया है। राज दशरथ की सारी कहानी श्रीमद रामायण में विस्तार के साथ दिखायी जायेगी। भारत के दो महाकाव्य हैं एक महाभारत और दूसरा रामायण। मैं भाग्यशाली हूं कि दस साल पहले मैंने महाभारत की थी और अब दस साल बाद मुझे स्वास्तिक प्रोडक्शन के साथ श्रीमद रामायण करने का मौका मिला है। श्रीमद रामायण मे काम कर बहुत अच्छा लग रहा है, बहत सुन्दर तरीके से श्रीमद रामायण की कहानी लिखी गयी है। आरव चौधरी ने कहा, दर्शको ने महाभारत में मुझे भीष्म के लिए इतना प्यार दिया है।दुनिया भर के लोगों से मुझे संदेश मिलते हैं।मैं वादा कर सकता हूं कि आपको श्रीमद रामायण देखने में भी आनंद आएगा।श्रीमद रामायण को बेहद खूबसूरती से लिखा गया और फिल्माया गया है।मुझे राजा दशरथ के किरदार को करने में बहुत मजा आया है क्योंकि इस किरदार के साथ करने को बहुत कुछ है। श्रीमद रामायण के लिये हमसभी लोगों ने कड़ी मेहनत की है।श्रीमद रामायण में लोगों को बहुत कुछ नया देखने को मिलेगा, इसमें कई नई बातें हैं जो लोगों को जानने को मिलेंगी, इसे देखकर लोगों को भी मजा आएगा और उनका दिल भी खुश हो जाएगा।राजा दशरथ महान महाकाव्य रामायण में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं और श्रीमद रामायण शो राजा दशरथ के अनजाने तथ्यों पर प्रकाश डालेगा। मैं राजा दशरथ की भूमिका को निभाकर बेहद खुश हूं।

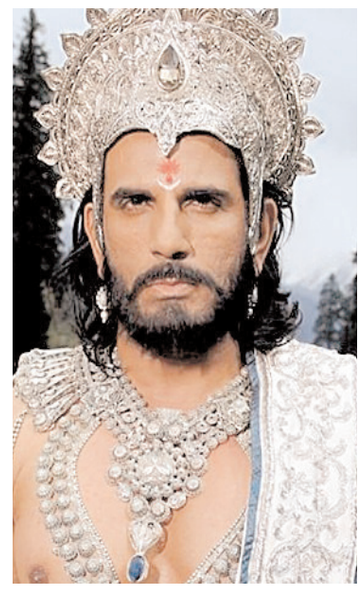

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | सोमवार | 25-12-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

अहिंसा धर्म परमात्मा का धर्म है। जहां पर अहिंसा है, वहां पर अमृत है, जहां पर हिंसा है वहां पर विष है, जहां पर अहिंसा की प्राण-प्रतिष्ठा होती है वहां का वातावरण भय मुक्त हो जाता है। परमात्मा में परमाणुओं का दिव्य प्रभाव हुआ करता है, बकरी और शेर भी एक साथ बैठकर निर्भय होकर परमात्मा की वाणी को श्रवण करते थे। जहां पर अहिंसा, करुणा और मानवता की भावना होती है वहां पर उनका जीवन धन्य हो जाता है। अहिंसा की प्रतिमूर्ति थी साध्वीश्री यशकवरजी।

साध्वी सुप्रभाश्री आदि चेन्नई की ओर विहाररत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के चातुर्मास सम्पन्न कर चेन्नई की ओर विहाररत श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य श्री मिश्रीमलजी. म.सा मधुकर की अंतेवासिनी शिष्या साध्वीश्री उमरावकंवरजी.म.सा अर्चना की शिष्याएं साध्वीश्री सुप्रभाजी, उदितप्रभाजी, डॉ हेमप्रभाजी, डॉ इमित प्रभाजी, उन्नतिप्रभाजी व श्री नीलेश प्रभाजी.म सा आदि ठाणा रविवार को इरोड के निकट कदीरम्पट्टी पहुंची। सतिमंडल के इस विहार पड़ाव में इरोड संघ के सदस्यों के साथ वर्धमान जैन सेवा संघ(कोयंबटूर) के संरक्षक ज्ञानचंद खारीवाल, अध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा, उपाध्यक्ष गौतम धारीवाल, महासचिव विक्रम छाजेड, संस्थापक राजेश कुमार गादिया आदि भी उपस्थित थे।

पूझल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाढ़ प्रभावित परिवारों में राहत सामग्री का वितरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पूझल स्थित आदिनाथ जैन मंदिर में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने माधवराम जोन से सरकारी संभाग के बीजेपी जिला सचिव वरिष्ठ समाजसेवी ए एस. अशोक मोदी के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित पांच सौ से अधिक परिवारों में राहत सामग्री का वितरण किया। इस मौके पर भाजपा सरकारी संबंध के राज्य अध्यक्ष एम.भास्करन, राज्य सचिव आरसी बालाजी, आर. सुधाकर, जिला अध्यक्ष चेन्नई पूर्व एम.मनोहरण, जिला सचिव सुजाता जीवन, सचिव दासायनी, मंडल अध्यक्ष सत्या, महालिंगम आदि अनेक वरिष्ठ बीजेपी पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबतूर के आरजी स्ट्रीट स्तिथ राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ द्वारा संचालित बड़ा सुपार्श्वनाथ मंदिर में रविवार को मुमुक्ष नील राजेश चोपडा का सम्मान किया गया। सबका स्वागत मंदिर के अध्यक्ष गुलाब मेहता ने किया। संचालन दिनेश जैन ने किया। अध्यक्ष ने राजेश चोपडा को संयम जीवन को सम्मानित करते हुए सयंम जीवन की खूबियों बताई और मुमुक्ष की अनुमोदना की। इस मौके पर आंगी के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया।

सम्यकदर्शन आध्यात्मिक जीवन का प्राण है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के पारस धाम पहुंची साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पदार्थों के यथार्थ स्वरूप को समझकर श्रद्धा प्रतीति और रूचि का होना सम्यक्त्व का लक्षण है। जो साधक सम्यक्त्व में पराक्रम करते हैं, वे ही सदा सही दिशा की ओर अग्रसर होते हैं। सम्यकदर्शन आध्यात्मिक जीवन का प्राण है। सम्यग्दर्शन जीवन को एक सही दृष्टि देता है,जिससे जीवन उत्थान की ओर अग्रसर होता है। व्यक्ति की जैसी दृष्टि होगी वैसी ही उसके जीवन की सृष्टि होगी, इसीलिए यथार्थ दृष्टिकोण जीवन निर्माण की सबसे प्राथमिक आवश्यकता है। पारस भंसाली ने बताया कि मरुधर राज राजेंद्र सूरी ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल दाणी, जयंतीलाल सोलंकी, अचलचंद मांडोत,

मोहनलाल दाणी, पारसमल सोलंकी, भरत संघवी, शांतिलाल बागरेचा, मांगीलाल कटारिया संघवी, कैलाश बागरेचा,सुनील चौराउ आदि ने साध्वीश्री के दर्शन किए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

मंजूनाथनगर मर्चेन्ट एसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मंजूनाथनगर मर्चेंट एसोसिएशन की सदस्यों की वार्षिक बैठक व हल्दी गोठ शनिवार को क्षेत्र के जैन भवन में सम्पन्न हुई। बैठक में गत 2 वर्षों से चल रहे अन्नदान-महादान अभियान में सहयोग करने वाले सदस्यों का सम्मान किया गया तथा आगामी वर्ष में भी अभियान को जारी रखने पर सहमति बनी। इस अभियान के लिए उपस्थित जनों ने स्वेच्छा से सहयोग राशि लिखाई। एसोसिएशन के अध्यक्ष संघवी उत्तमचन्द आच्छा ने सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। यह जानकारी मंत्री राकेश दलाल ने दी ।

संतों के जीवन में आराधना ही हो एकमात्र लक्ष्य : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिरालकोप्पा। शहर के आदिनाथ जैन मंदिर के तत्वावधान में एक स्कूल में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि संतों का जीवन बहुत ही कठिन व साधना से भरा हुआ होता है। साधु के जीवन में हर तरह की परिस्थिति आती है और संत हमेशा समभाव से उन सभी सम-विषम परिस्थिति को पार कर जाता है जिसके पीछे साधना का बल होता है। अपने जीवन में परिस्थितिक ा आनंदपूर्वक स्वीकार कर उस परिस्थिति के अनुसार जितनी अधिक से अधिक आराधना हो यही एक सच्चे साधक साधु का लक्ष्य होना चाहिए। साधु को जीने या मरने का भय नहीं रखना चाहिए उसे तो आराधना का ही लक्ष्य रखना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्रिसमस कार्निवल

बेंगलूरु के गविपुरम स्थित एवोल्वे मोंटेसरी हाउस ऑफ चिल्ड्रन में बच्चों के लिए क्रिसमस कार्निवल मनाया गया और बच्चों के मनोरंजन के लिए अनेक खेलों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस कार्निवल में करीब 25 स्टॉल लगाए गए जिसमें मनोरंजक खेल,खान-पान व्यंजनों, आइस, साइंस व मैजिक शो आदि के स्टॉल लगाए गए। बच्चों व उनके अभिभावकों ने इस कार्निवल में हिस्सा लिया और आनंद उठागया। प्रसाद व सपना मरड़िया द्वारा संचालित इस स्कूल के कार्निवल में करीब 450 लोग उपस्थित हुए। कार्निवल में सांताक्लॉज बनकर बच्चों को उपहार दिए गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वास्थ्य शिविर

बेंगलूरु के राजराजेश्वरीनगर स्थित नेताजी सुभाष पार्क में तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा फ्री ब्लड शुगर एवं बीपी चेकअप शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 81 लोगों ने जांच करवाई। एटीडीसी के माध्यम से आयोजित इस शिविर में तेयुप के अध्यक्ष विकाश छाजेड़ ,एटीडीसी संयोजक नरेश बांठिया, सुशील भंसाली,विपुल पितलिया, राकेश दुगड़ एवं बिकास छाजेड़ ने श्रम दिया ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

कुश्ती उत्कृष्टता खेल सम्मान समिति, जयकर्नाटक जनपर वेदिके व राजस्थान समाज के सदस्य विनोदकुमार पटवा, किशन कटारिया, ऋषभ पालगोता आदि सदस्यों ने हुब्बल्ली प्रवास पर आए भारतीय कुश्ती महासंघ के संयुक्त सचिव बेलीपड़ी गुणरंजन शेट्टी, कर्नाटक कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष प्रसाद शेट्टी व व्यवसायी व कुश्ती प्रेमी प्रशांत शेट्टी का सम्मान किया तथा उनके कार्यों को सराहा।

चारण समाज द्वारा सन्तों का किया गया स्वागत

आईश्री लक्ष्मीमाताजी एवं दयालपुरी महाराज पहुंचे चेन्नई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान में नागौर स्थित खानपुर से आईश्री लक्ष्मी माताजी एवं गुजरात के पालनपुर के हाथिन्द्रा मठ के मठाधीश श्रीदयालपुरी महाराज सहित अन्य सन्त चेन्नई पहुँचे जहां तमिलनाडु चारण समाज व अखिल भारतीय चारण-गढवी महासभा तमिलनाडु द्वारा स्वागत किया गया। समाज के सचिव हिंगलाजदान चारण आकली ने बताया कि दक्षिण यात्रा के दौरान आईश्री लक्ष्मी माताजी एवं मठाधीश श्रीदयालपुरी, धर्मराजपुरीजी, ओमपुरीजी महाराज दियोदर मठ, भरतपुरीजी महाराज डीसा गौशाला एवं शक्तिदान चारण पिण्टु बन्ना सहित अन्य सन्त महात्मा का चेन्नई पहुंचने पर साहुकारपेट स्थित हिंगलाज भवन में प्रवचन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस मौके पर अखिल भारतीय चारण-गढवी महासभा युवा अध्यक्ष हिंगलाजदान चारण आकली, तमिलनाडु चारण समाज चेन्नई के अध्यक्ष गोरुदान सान्दु, कोषाध्यक्ष रामसिंह नागसी, सचिव लक्ष्मणसिंह चारण, करणसिंह लाखावत, बाबुसिंह, धनेशसिंह, नखतदान, सुरेन्द्रसिंह चारण, रमेशसिंह आदि मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान आईश्री लक्ष्मी माताजी समाज सुधार एवं शिक्षा पर जोर दिया गया।

इस दौरान मंहत दयालपुरी महाराज ने गायों एवं माता-पिता की सेवा करना एवं बडों का आदर करने की प्रेरणा दी।

'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की'

अन्नानगर में चल रही भागवत में कृष्ण जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के हरियाणा नागरिक संघ के तत्वावधान में अन्नानगर स्थित शांति कॉलोनी में श्री रामदयाल कलावती खेमका अग्रवाल सभा भवन में रविवार को चल रही श्रीमद् भागवत कथा में व्यासपीठ पर विराजित श्री प्रियाशरणजी महाराज ने कहा कि जीवन में हमेशा अच्छे लोगों की संगत करनी चाहिए। बुरी संगत में रहने से जीवन हमेशा दुखी ही व्यतीत होता है।

कथा के दौरान श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर भगवान कृष्ण रूपी बालक को सिर पर रखकर टोकरी में लाए गए तथा उपस्थित जनों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। जन्म प्रसंग पर पूरे सभागार में 'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैयालाल जी' जयकारों की गूंज होती रही।

कथा में अग्रवाल सभा के महासचिव जगदीशप्रसाद अग्रवाल, राजेंद्रकुमार गुप्ता, प्रवीण गर्ग, एनके सिंगला सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

अमर्ट ग्लोबल के स्वयंसेवकों ने बांटे 300 कम्बल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल के स्वयंसेवकों द्वारा 3 विभिन्न स्थानों पर कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कामगोंडानहल्ली, सामराजपुरा स्लम और गणपथल्ली गांव क्षेत्रों में आयोजित इन शिविरों में 300 से अधिक परिवारों को कम्बल वितरित किए गए। ज्ञातव्य है कि आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम (अमर्ट) यूएनओ द्वारा मान्यता प्राप्त स्वयंसेवी संस्था है जो गरीब और दलित लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए कार्य करती है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.